■ श्रावण शुक्ल - 5 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 29 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 21-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सिंधू ने विश्व चैम्पियनशिप से पूर्व पहले ओलंपिक पदक को याद किया

6 भारत की आर्थिक छलांग के लिए यूपी महत्वपूर्ण क्यों?

7 राजीव गांधी के शानदार काम ने उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं की पंक्ति में शामिल किया : खरगे

फर्स्ट टेक

अरब सागर में डूबती नाव से सात मछुआरों को बचाया गया

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में अरब सागर के तट पर डूबती हुई नाव से सात मछुआरों को बचाया गया। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नाव 17 अगस्त को डूबी थी तथा उसका अवशेष आज सुबह रायगढ़ जिले के दिवेआगर तट पर बहता हुआ पाया गया। उन्होंने बताया कि घटना बृहस्पतिवार को शाम करीब चार बजे दिघी अदगांव के पास उस वक्त हुई थी, जब सात मछुआरों का एक दल अपनी नाव बाना सागर को लेकर समुद्र के भीतर नौ मील तक चला गया था। अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही नाव डूबने लगी, आसपास मौजूद गुजरात के दो ट्रॉलर ने सातों मछुआरों को बचा लिया।

जेलेंस्की ने चेर्नीहीव हमले का बदला लेने का संकल्प लिया

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश के उत्तरी शहर चेर्नीहीव में एक रूसी मिसाइल हमले का कड़ा जवाब देने का रविवार को संकल्प लिया। एक दिन पहले हुए इस हमले में सात लोग मारे गए और करीब 150 अन्य घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने स्वीडन यात्रा के समापन पर रविवार तड़के प्रसारित एक वीडियो संबोधन में कहा, मैं आश्वस्त हूं कि हमारे सैनिक इस आतंकी हमले का रूस को जवाब देंगे। कड़ा जवाब देंगे। पिछले महीने लिथुआनिया में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन में शरीक होने के बाद से यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। उन्होंने हमले में मारी गई सोफिया नाम की छह वर्षीय एक बच्ची का जिक्र किया और घायलों में 15 बच्चों के शामिल होने की पुष्टि की।

लेबनान में हथियारबंद गिरोह ने आठ स्कूलों पर किया कब्जा किया

बेरूत/वार्ता। दक्षिणी लेबनान में सशस्त्र समूहों ने ऐन अल-हेलवे फ़िलिस्तीनी शरणार्थी शिविर में एक और स्कूल पर कब्जा कर लिया है जिसे मिलाकर ऐसे स्कूलों की कुल संख्या आठ हो गई है। लेबनान में फ़िलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के निदेशक डोरोथी क्लॉस ने एक बयान में कहा, हमें इमारतों को गंभीर नुकसान और स्कूलों से शैक्षिक सामग्री और उपकरणों की लूट की विश्वसनीय रिपोर्ट मिल रही है। यूएनआरडब्ल्यूए ने बयान में दोहराया कि सभी सशस्त्र समूहों से स्कूलों सहित ऐन अल-हेलवे शिविर में तुरंत खाली करने का आह्वान किया।

21-08-2023 सूर्यास्त 6:37 बजे | 22-08-2023 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
64,948.66 (-202.36)	19,310.15 (-55.10)

सोना	चांदी
6,127 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	71,994 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विक्रमेसरो*

हो गया क्रैश लूना चाहे,
जीतेगा वो खुद विक्रम है।
भारत का अतुलित ज्ञान साथ,
इसरो का जो अतुलित श्रम है।
यह चन्द्रयान का मिशन हमारे,
संकल्पों का ही क्रम है।
हम जीतेंगे हर बाजी को,
हमको ना कोई भी भ्रम है।।
----
*विक्रम +इसरो=विक्रमेसरो

‘जहर है परिवारवाद की राजनीति’

■ अमित शाह ने समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पर परिवारवादी राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को परिवारवाद की राजनीति को ’जहर’ करार देते हुए कहा कि इस व्यवस्था के तहत किसी पार्टी और उसके नेतृत्व वाली सरकार पर नियंत्रण एक ही परिवार के हाथ में रहता है।

शाह ने समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पर परिवारवादी राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाया।

शाह ने कांग्रेस पर 2015 के बाद से मध्य प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों में जातिवाद का जहर फैलाने के लिए जाति आधारित आंदोलनों को प्रायोजित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने इसे 2018 में मप्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार का कारण बताया।

शाह मप्र की अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने वर्ष

2003 से 2023 तक मध्य प्रदेश सरकार का ’रिपोर्ट कार्ड’ जारी किया। मप्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

एक सवाल का उत्तर देते हुए शाह ने कहा, मैं किसी नेता का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कांग्रेस, सपा, द्रमुक, शिवसेना (यूबीटी) की परिवारवादी राजनीति का मतलब है कि पार्टी और सरकार में केवल एक ही परिवार के सदस्य आएंगे। इसे ही परिवारवादी राजनीति कहा जाता है।

भाजपा नेताओं के परिवार के सदस्यों को टिकट देने का बचाव करते हुए शाह ने कहा, कहीं-कहीं कुछ लोगों को योग्यता के आधार पर टिकट दिए गए हैं। ऐसा कहकर परिवारवादी राजनीति के मुद्दे को कमजोर ना करें...यह जहर है। जब दल एक परिवार की जागीर बन जाएंगे तो जमीनी स्तर से आने वालों के लिए क्या जगह होगी? उन्होंने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की कोई राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि नहीं थी। मैं पार्टी का अध्यक्ष बन गया, मेरे परिवार में कोई भी राजनीति में नहीं था। भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा जी के परिवार की कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी की पृष्ठभूमि क्या है? उन्होंने कहा, कांग्रेस के एजेंडे को घुमा फिराकर क्रांति खड़ी मत करिए। परिवारवाद बहुत स्पष्ट है, पार्टी और सत्ता पर नियंत्रण एक परिवार के हाथ में रहना। उसको परिवारवाद कहते हैं।

यह पूछे जाने पर कि अगर साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा सत्ता बरकरार रखती है तो क्या चौहान मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इसके जवाब में शाह ने कहा, आप पार्टी का काम क्यों कर रहे हैं? हमारी पार्टी अपना काम करेगी। शिवराज जी मुख्यमंत्री हैं और हम चुनाव में हैं...मोदी जी और शिवराज जी के विकास कार्यों को जनता के बीच ले जाएं। अगर कांग्रेस ने कोई विकास किया है तो उसे भी उजागर करें।

कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के मद्देनजर मध्य प्रदेश में भाजपा की संभावनाओं के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में शाह ने मणिपुर, असम और उत्तर प्रदेश का उदाहरण दिया, जहां पार्टी ने लगातार चुनाव जीते और मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भी जीत हासिल की।

शाह ने कहा, हम हार का सामना करके एक पार्टी बन गए हैं। 1950 में हमारे पास कुछ भी नहीं था, लेकिन अब पंचायत से संसद तक हमारी जीत की दर सबसे अच्छी है। यह हमारे नेता नरेन्द्र मोदी थे, जिन्होंने 30 साल के अंतराल के बाद दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई।

तेईस अगस्त को इतिहास रचने को तैयार चंद्रयान-3

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वार्ता। तीसरा चंद्र मिशन ‘चंद्रयान-3’, 23 अगस्त को चांद की ‘अंधेरी’ और ‘अनजान’ सतह पर उतरने के लिए तैयार है और इसकी सॉफ्ट लैंडिंग के साथ ही देश ‘चांद के अंधेरे ’ को चीरने वाला विश्व का चौथा देश बन जायेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को कहा कि बुधवार को शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग होगी और सबकुछ ठीक रहा तो भारत अंतरिक्ष- पटल पर नया इतिहास गढ़ देगा। इसरो ने सोशल मीडिया ‘एक्स’पर कहा कि दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन आज तड़के दो बजे किया गया। साइट और पावर्ड डिसेंट 23 अगस्त को शुरू होगी। इस मनूवर के बाद, अंतरिक्ष यान लगभग 25 किमी गुणा 134 किमी की दूरी पर स्थित है।

एजेंसी ने चंद्रयान-3 मिशन पर अपडेट देते हुए कहा, दूसरा और अंतिम डीबूस्टिंग ऑपरेशन सफलतापूर्वक हो गया।लैंडर मॉड्यूल (एलएम) की कक्षा को घटाकर 25 किमी गुणा 134 किमी कर दिया गया है। मॉड्यूल को आंतरिक जांच से गुजरना होगा और निर्धारित लैंडिंग स्थल पर सूर्योदय का इंतजार करना होगा।

अयोध्या में सोलह से 24 जनवरी के बीच होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा : चंपत राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार (उत्तराखंड)/भाषा। अयोध्या में बन रहे भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का गर्भ गृह तैयार हो गया है और पहली मंजिल का निर्माण पूरा होने के साथ ही अगले साल मकर संक्रांति के बाद 16 से 24 जनवरी के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

रविवार को यहां पहुंचे राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने संतों से मिलकर उन्हें मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी दी और उन्हें मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

समारोह में आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा कि करोड़ों राम भक्तों का सपना अब पूरा होने वाला है और वर्षों चले विवाद के बाद रामलला अब अयोध्या में अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने वाले हैं।

राय ने कहा, मकर संक्रांति के बाद 16 से 24 जनवरी, 2024 के बीच किसी भी तिथि को मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के लिए साधुसंतों को फिलहाल मौखिक निमंत्रण दिया जा रहा है और विधिवत निमंत्रण नवंबर में दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि देश के सभी परंपराओं के साधु-संतों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया जाएगा।

मंदिर निर्माण की प्रगति के बारे में उन्होंने संतों को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि गर्भ गृह में रामलला की भव्य मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा का स्थान पूरी तरह से तैयार हो गया है। उन्होंने कहा कि दोमंजिला मंदिर की पहली मंजिल की छत का काम अस्सी प्रतिशत पूरा हो चुका है।

मणिपुर हिंसा: एक गांव में तैनात किए जाएंगे बीएसएफ के जवान

इंफाल/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक टीम को मणिपुर के उखरूल जिले के थवाई कुकी गांव में तैनात किए जाने की संभावना है, जहां शुक्रवार को हथियारबंद लोगों ने तीन लोगों की हत्या कर दी थी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बल आसपास की पहाड़ियों के जंगलों में तलाशी अभियान चला रहे हैं, जहां हथियारबंद लोगों के छिपे होने की आशंका है। गांव में बीएसएफ टीम तैनात करने का संभावित कदम ऐसे वक्त उठाया जा रहा है जब कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने स्वतंत्रता दिवस परेड के दौरान लोगों के एक समूह के अत्याधुनिक आग्नेयास्त्रों के खुले प्रदर्शन के बारे में चुराचांदपुर के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी थी।

तमिलनाडु को नीट से छूट ना मिलने तक द्रमुक नहीं रुकेगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को राज्य को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से छूट दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी तब तक नहीं रुकेगी जब तक तमिलनाडु को मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए केंद्रीय योग्यता परीक्षा से छूट नहीं मिल जाती।

मुख्यमंत्री के बेटे एवं कैबिनेट मंत्री उदयनिधि ने परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पार्टी की राज्यव्यापी भूख हड़ताल का नेतृत्व किया।

चिर-प्रतिद्वंद्वी द्रमुक और अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के बीच रविवार को नीट को लेकर तलवारें खिंच गईं और तमिलनाडु में सत्तारूढ़ दल ने अन्नाद्रमुक को नयी

दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की चुनौती दी। इसके जवाब में विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने कहा कि परीक्षा कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन के दौरान अस्तित्व में आई थी। द्रमुक संप्रग का एक प्रमुख घटक था।

अन्नाद्रमुक के महासचिव के पलानीस्वामी ने कहा कि नीट वर्ष 2010 में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की अधिसूचना के बाद अस्तित्व में आया जब देश में संप्रग सरकार थी।

स्टालिन ने कहा कि द्रमुक तब तक नहीं रुकेगी जब तक तमिलनाडु को मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए केंद्रीय योग्यता परीक्षा से छूट नहीं मिल जाती। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नीट का ‘‘राजनीतिकरण’’ करने के लिए राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना की।

उदयनिधि ने कहा कि पार्टी आज के आंदोलन तक ही सीमित नहीं रहेगी और वह इस मुद्दे पर दिल्ली में विरोध प्रदर्शन भी करेगी।

स्टालिन ने तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि पर उनकी हाल में की गई उस टिप्पणी के लिए निशाना साधा कि जिसमें उन्होंने कहा था कि वह राज्य के नीट विरोधी विधेयक पर कभी हस्ताक्षर नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला अब राष्ट्रपति के पास है और राज्यपाल का काम केवल ‘‘डाकिये’’ का है, जिन्हें राज्य विधानसभा द्वारा पारित मामलों को राष्ट्रपति भवन भेजना पड़ता है।

सत्तारूढ़ पार्टी की भूख हड़ताल मदुरै के अलावा पूरे राज्य में हुई तो वहीं विपक्षी दल अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) आज अपना राज्य सम्मेलन आयोजित कर रही है।

कांग्रेस कार्य समिति का हुआ गठन, सोनिया, मनमोहन, राहुल समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पदभार संभालने के करीब 10 महीने बाद रविवार को नई कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का गठन किया जिसमें उनके साथ पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

अध्यक्ष पद के चुनाव में खरगे को चुनौती देने वाले लोकसभा सदस्य शशि थरूर और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को इस बार सीडब्ल्यूसी में स्थान दिया गया है।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी

विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस कार्य समिति में 39 सदस्य, 32 स्थाई आमंत्रित सदस्य और 13 विशेष आमंत्रित सदस्य (चार पदेन सदस्यों समेत) शामिल किए गए हैं।

कांग्रेस के चारों अग्रिम संगठनों-युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवा दल के प्रमुख सीडब्ल्यूसी में पदेन सदस्य होंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पिछले साल 26 अक्टूबर को पदभार संभाला था। इसके करीब 10 महीने बाद उन्होंने कार्य समिति गठित की है।

प्रियंका गांधी वाद्रा, एके एंटनी, मीरा कुमार, जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, आनंद शर्मा, शशि थरूर और कुछ अन्य वरिष्ठ नेता सीडब्ल्यूसी में शामिल किए गए हैं।

सीडब्ल्यूसी में कुल 15 महिलाओं को स्थान मिला है। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, कुमारी सैलजा, अंबिका सोनी, मीरा कुमार और दीपा दासमुंशी को बतौर सदस्य इस नई कार्यसमिति में शामिल किया गया है। प्रतिभा सिंह, मीनाक्षी नटराजन, फूलो देवी नेताम और रजनी पाटिल स्थाई आमंत्रित सदस्य होंगी।

यशोमती ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, परिनीति शिंदे और अलका लांबा कार्य समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य और महिला कांग्रेस की प्रमुख नेटा डिसूजा बतौर पदेन सदस्य शामिल की गई हैं।

पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, वरिष्ठ नेता मीरा कुमार और कुमारी सैलजा कांग्रेस की नई कार्य समिति में प्रमुख दलित चेहरे हैं।

पाकिस्तान : शाह महमूद कुरैशी सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत गिरफ्तार

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के निकट सहयोगी एवं पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक होने के आरोप में सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत शनिवार को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के उपाध्यक्ष कुरैशी (67) को शनिवार रात को गिरफ्तार किया गया।

लूना-25 अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/एपी। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी ने रविवार को कहा कि उसका लूना-25 अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

‘रोसकॉसमॉस’ ने बताया कि उसका मानवरहित रोबोट लैंडर कक्षा में अनियंत्रित होने के बाद चंद्रमा से टकरा गया। एजेंसी ने एक बयान में कहा, लैंडर एक अप्रत्याशित कक्षा में चला गया और चंद्रमा की सतह से टकराने के परिणामस्वरूप क्षतिग्रस्त हो गया।

इसने कहा कि यान में चंद्रमा पर उतरने से पहले की कक्षा में भेजने के बाद समस्या आई और शनिवार को उससे संपर्क टूट गया।

रूस ने 1976 के सोवियत काल के बाद पहली बार इस महीने की शुरुआत में अपना चंद्र मिशन भेजा था। यान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर आने से पहले रोसकॉसमॉस ने शनिवार को जानकारी दी कि ‘असमान्य परिस्थिति’ उत्पन्न हो गई है और विशेषज्ञ समस्या का विश्लेषण कर रहे हैं।

सरकार इस साल और खरीदेगी दो लाख टन प्याज, पांच लाख टन ‘बफर स्टॉक’ का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार इस साल प्याज का ‘बफर स्टॉक’ पांच लाख टन करने के लिए दो लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदेगी और खुदरा बिक्री में इसका उपयोग करेगी। सरकार ने रविवार को यह घोषणा की। इससे एक दिन पहले ही सरकार ने प्याज की स्थानीय आपूर्ति सुगम करने और कीमतों पर नियंत्रण करने के लिए इसके निर्यात पर 40 प्रतिशत कर लगाने की घोषणा की थी।

चालू वित्त वर्ष के लिए प्याज के ‘बफर स्टॉक’ के लिए लक्ष्य तीन लाख टन रखा गया था, जो हासिल कर लिया गया है। फिलहाल इस

‘बफर स्टॉक’ को चुनिंदा राज्यों के लक्षित बाजारों में स्थानीय आपूर्ति सुधारने और मूल्य वृद्धि पर लगाम कसने के लिए खपाया जा रहा है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्याज की देशभर में खुदरा कीमत रविवार को सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 29.73 रुपए प्रति किलोग्राम थी। बीते वित्त वर्ष इसी दिन यह 25 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत 37 रुपए प्रति किलोग्राम है, जो पिछले साल इसी दिन 28 रुपए प्रति किलोग्राम थी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाते हुए तीन लाख टन के प्रारंभिक खरीद लक्ष्य को हासिल करने के बाद इस साल प्याज की ‘बफर स्टॉक’ की मात्रा को बढ़ाकर पांच लाख टन कर दिया है।

तपस्वी सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्रीरामपुरम में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री विजयराजजी म.सा. की सुशिष्या साध्वीश्री स्वर्णप्रभाजी की निश्रा में पर्युषण पर्व के 7वें दिन मासखमण तपस्या करने वाली तपस्वी अशोककुमार यादव का सम्मान श्रीरामपुरम संघ एव नवयुवक मंडल श्रीरामपुरमके सदस्यों ने किया। इस मौके पर संघ के संतोष दक, कांतिलाल गुगलिया, मंडल के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष संदीप छल्लाणी, मंत्री मनोज गुगलिया, पंकज पटवा, मुकेश बाबेल, अभिषेक बोहरा आदि उपस्थित थे।

अष्ट दिवसीय आवासीय प्रेक्षाध्यान शिविर सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ चेतना सेवा केंद्र में प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा आयोजित अष्ट दिवसीय आवासीय प्रेक्षाध्यान शिविर रविवार को सम्पन्न हुआ। शिविरार्थी खुशी दुधेडिया एवं वन्दना दुधेडिया द्वारा त्रिपदी वंदना के साथ समापन समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तथा आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा रचित गीत देव दो हस्तावलम्बन आत्म का साक्षात पाऊं गीत का सामूहिक रुप से संगान किया गया।

तदुपरांत चेतना केंद्र अध्यक्ष अमित नाहटा ने सभी का स्वागत करते हुए अष्ट दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए हर्ष जाहिर किया। जैन विश्व भारती के न्यासी प्रकाश लोढ़ा ने कहा कि प्रेक्षा ध्यान जैन विश्व भारती का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है। जैन विश्व भारती की ओर से उन्होंने प्रेक्षाध्यान के प्रचार प्रसार में तथा इस तरह के शिविरों के आयोजन में पूर्ण रूप से सहयोग देने की बात कही। चेतना केन्द्र की तरफ से बोलते हुए चेतना केंद्र के मंत्री मदन बरमेचा ने प्रेक्षाध्यान शिविरों के आयोजन में पूर्ण रूप से सहयोग देने का आश्वासन दिया। प्रेक्षा प्रशिक्षक साउथ संयोजक एवं प्रेक्षा ध्यान शिविर संचालन समिति की संयोजिका वीणा बैद ने आए हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि प्रेक्षा ध्यान अभियान को निरंतर विशाल स्तर पर बढ़ाने का आह्वान किया तथा शिविर की सफलता का श्रेय प्रेक्षाध्यान शिविर आयोजन टीमवर्क को दिया।

विजयनगर सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, दिल्ली से पधारे प्रेक्षा फाउंडेशन के सह संयोजक तथा शिविर के प्रशिक्षक विमल गुनेचा तथा मुम्बई से पधारे प्रेक्षा प्रशिक्षक श्रीकृष्णा देशमुख ने शिविर के सफल आयोजन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिविरार्थियों को आगे भी प्रेक्षाध्यान को अपने जीवन में नियमित रुप से अपनाने तथा निरन्तर आसन प्रणायाम, ध्यान, कायोत्सर्ग आदि के प्रयोग करते रहने की प्रेरणा दी। प्रेक्षाध्यान शिविर प्रशिक्षक नागपुर से पधारे आनंद सेठिया ने कहा कि शिविर की सफलता तभी सार्थक होगी जब आप सभी इस क्रम को अपने जीवन का हिस्सा बनायेंगे तथा लगातार अभ्यास करेंगे।

इस शिविर मे 42 शिविरार्थियों ने भाग लिया। शिविर में उपस्थित सभी शिविरात्रियों को प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रेक्षा प्रशिक्षक छत्रसिंह मालू एवं रेखा पितलिया ने किया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हरियाणा में कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है : हुड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार/भाषा। हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार को सभी मोर्चों पर विफल करार देते हुए कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने रविवार को कहा कि राज्य पर शासन करने के लिए कांग्रेस एकमात्र व्यवहार्य विकल्प है। हुड्डा ने कहा कि लोग अगले साल चुनाव में नॉन-परफॉर्मिंग भाजपा-जजपा सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। कांग्रेस सरकार ने दावा किया कि लोग कांग्रेस को एकमात्र व्यवहार्य विकल्प के रूप में देखते हैं। कांग्रेस प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल है। हरियाणा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हुड्डा यहां आयोजित 'विपक्ष आपके समक्ष' बैठक के तहत एक सार्वजनिक रैली को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में, उन्होंने पार्टी के कल्याण एजेंडे का उल्लेख किया और दावा किया कि पार्टी जो वादा करती है उसे पूरा करती है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रदेश कांग्रेस प्रमुख उदय भान के साथ मिलकर तय किया है कि इस साल के अंत तक वे राज्य के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती 'सद्भावना दिवस' पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए हुड्डा ने भारत को वैश्विक आईटी महाशक्ति के रूप में विकसित करने में दिवंगत नेता के योगदान को याद किया।

हुड्डा ने लोगों से वादा किया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो 6,000 रुपए प्रति माह (वर्तमान से लगभग दोगुना) की वृद्धावस्था पेंशन, प्रति परिवार 500 रुपए की दर से गैस सिलेंडर और दलित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रत्येक परिवार को 100 गज का भूखंड दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्ग के लिए क्रीमी लेयर की सीमा को छह लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए किया जाएगा और कारीगरों को पांच प्रतिशत से कम ब्याज पर ऋण मिलेगा।

तेयुप बेंगलूरु की सम्यक दर्शन कार्यशाला का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा निर्देशित सम्यक दर्शन कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलुरु द्वारा मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के सान्निध्य में निरंतर 11 दिनों तक रात्रिकालीन सत्र में किया गया। हिमांशुकुमारजी के सहवर्ती मुनिश्री हेमंतकुमारजी ने आचार्यश्री महाप्रज्ञ द्वारा रचित पुस्तक शरीर और आत्मा के आधार पर विभिन्न विषयों को समझाते हुए आत्मवाद एवं अनात्मवाद की व्याख्या की। भगवान पार्श्वनाथ की परंपरा के आचार्य श्री कुमारश्रमण केशी एवं राजा प्रदेशी के बीच हुए संवाद पर आधारित शरीर और आत्मा पुस्तक के माध्यम से शरीर को नश्वरता एवं आत्मा की शाश्वत सत्ता को मुनि हेमंतकुमारजी सरल ढंग से व्याख्यायित किया। कार्यशाला में 120 सदस्यों की संभागिता रही। प्रतिदिन लक्की ड्रा एवं प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यशाला के प्रायोजक विमलचंद प्रदीप भंडारी का सम्मान परिषद उपाध्यक्ष विवेक मरोठी एवं कार्यशाला संयोजक विनोद कोठारी ने किया। कार्यशाला में अध्यक्ष रजत बैद आदि पदाधिकारी गण एवं कार्यसमिति सदस्यों के साथ अनेकों श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

'बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में सच्चा न्याय उन्हें समर्थन, सुरक्षा देकर ही मिलता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में सच्चा न्याय केवल अपराधी को पकड़ने या दी गई सजा की गंभीरता से नहीं, बल्कि पीड़ित को समर्थन और सुरक्षा प्रदान करने से मिलता है। न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने 'यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण' (पॉक्सो) कानून के तहत समर्थन करने वाले लोगों (सपोर्ट पर्सन) की नियुक्ति से संबंधित दिशानिर्देश जारी करते हुए यह टिप्पणी की।

'सपोर्ट पर्सन' से आशय बाल कल्याण समिति द्वारा नियुक्त उस व्यक्ति से है जो जांच और मुकदमे की प्रक्रिया के माध्यम से बच्चे को सहायता प्रदान करता है। पीठ ने कहा, बच्चों के खिलाफ अपराधों में न केवल भय या आघात होता है, बल्कि समर्थन नहीं होने और साथ नहीं देने से यह समस्या और गहराती जाती है। इसने कहा, इस तरह के अपराधों में सच्चा न्याय केवल अपराधी को पकड़ने या दी गई सजा की गंभीरता से नहीं, बल्कि पीड़ित को समर्थन और सुरक्षा प्रदान करने से मिलता है, जैसा कि राज्य और उसके सभी प्राधिकारियों द्वारा जांच तथा मुकदमे की पूरी प्रक्रिया के दौरान यथासंभव पीड़ारहित, कम कठिन अनुभव का आश्वासन दिया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस अवधि में सरकारी संस्थानों और कार्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली देखभाल और समर्थन महत्वपूर्ण है। इसने कहा कि न्याय तभी कहा जा सकता है जब पीड़ितों को समाज में वापस लाया जाए, उन्हें सुरक्षित महसूस कराया जाए और उनकी गरिमा और सम्मान बहाल किया जाए। पीठ ने कहा, इसके बिना, न्याय खोखला मुहावरा है, एक भ्रम है। पॉक्सो नियम 2020 में इस संबंध में एक प्रभावशाली रूपरेखा है। यह अब राज्य, जो इसमें सबसे बड़ा पक्षकार है, पर निर्भर है कि सच्ची भावना से इसका कड़ाई से क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। उच्चतम न्यायालय गैर सरकारी संगठन 'बचपन बचाओ आंदोलन' की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिका में उत्तर प्रदेश में पॉक्सो के एक मामले में एक पीड़ित के सामने आईं कठिनाइयों का उल्लेख किया गया है।

पंजाब एंड सिंध बैंक का 2026 तक 2000 शाखाएं, इतने ही एटीएम खोलने का लक्ष्य

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब एवं सिंध बैंक ने अपनी सेवाओं का विस्तार करने के मकसद से आने वाले तीन वर्षों में देश में 2,000 शाखाएं और इतने ही एटीएम खोलने का लक्ष्य रखा है। पंजाब एवं सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक स्वरूप कुमार साहा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बैंक के चालू वित्त वर्ष में 50 शाखाएं खोलने की योजना है, जिससे उसकी कुल शाखाओं की संख्या 1,600 से अधिक हो जाएगी। बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष में 28 शाखाएं खोलीं, जिससे उसकी कुल शाखाएं 1,555 हो गई। साहा ने कहा, मार्च 2026 तक कुल शाखाएं 2,000 से अधिक होंगी। बैंक अभी देश के 319 जिलों में मौजूद है। देश के प्रत्येक जिले में इसकी शाखाएं स्थापित करने की योजना है।

अहिंसा संयम और तप रुपी धर्म ही उत्कृष्ट मंगल है : डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि अहिंसा संयम और तप रुपी धर्म ही उत्कृष्ट मंगल है। जिसका मन सदैव धर्म में रहता है देवता भी उसके चरणों में नमस्कार करते हैं। श्री कृष्ण का वर्णन आगमों में सुना है। तेले की तपस्या करने पर देवता भी उनके चरणों में उपस्थित हो जाते थे। पहले के जमाने में तपस्या मन से करते थे। हमने बाहर तो बहुत सारे मंदिर बना दिए पर अपने मनमंदिर में अभी तक परमात्मा को नहीं बिठाया। हम भगवान को याद करते हैं लेकिन भगवान हमें याद करें यह बड़ी बात है। श्रावक का बारहवां व्रत है अतिथि संविभाग। जिसके आने की कोई तिथि निश्चित नहीं है उसे अतिथि कहते हैं। अतिथि यानी मेहमान। अतिथि गाय के रूप में भी हो सकते हैं, कुत्ते के रूप में भी हो सकते हैं, भिक्षुक के रूप में भी हो सकते हैं, आपके स्वयं के रिश्तेदार भी हो सकते हैं और साधु संत भी हो सकते हैं।

जब भी अतिथि आपके द्वार पर आए उनका स्वागत करें सम्मान करें। अपने दिल के द्वार को हमेशा खुले रखें। चंदनबाला के हाथों में हथकड़ियां और पांव में बेड़ियां थी। ठीक उसी समय भगवान उनके यहां पधारे और बिना कोई आहार ग्रहण किए वापस जाने लगे। पर, इस स्थिति में भी चंदनबाला ने परमात्मा के लिए आंसू बहाए यह देख कर परमात्मा को वापस मुड़ना पड़ा। भारतीय संस्कृति में अतिथि को देवता के समान बताया गया है।

इससे पूर्व साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने कहा कि हमारी एक अच्छे व्यक्ति की पहचान बने इसके लिए जरूरी है हमें अपने जीवन में कभी किसी के ऊपर टीका टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

हमें कभी किसी का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। हमें कभी किसी तरह की टोका टोकी नहीं करनी चाहिए। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। संतोष कोठारी ने अपने भाव प्रस्तुत किए। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

अथाचामयम समारोह के साथ केरल में 10 दिवसीय ओणम उत्सव शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि (केरल)/भाषा। केरल के कोच्चि में त्रिपुनिथुरा में रविवार को झांकियों और लोक-नृत्यों के बीच अथाचामयम समारोह के साथ 10 दिवसीय 'ओणम' उत्सव शुरू हो गया।

उत्सव की शुरुआत आधिकारिक तौर पर केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने की और इस कार्यक्रम में कई राजनीतिक नेताओं के साथ अभिनेता ममूटी भी उपस्थित थे। दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद विजयन ने कहा कि समारोहों की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति को वर्तमान समय में भी बरकरार रखा जाना चाहिए। जैसा कि कोच्चि के तत्कालीन शाही साम्राज्य के समय उत्सव मनाया जाता था। विजयन ने यह भी कहा कि ओणम की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति जाति, पंथ और धर्म से परे मन की एकता प्रदर्शित करती है।

अथाचामयम समारोह में थेय्यम, कोलकाली, मयिलाट्टम, अम्मनकुदम, पुलीकाली जैसे विभिन्न लोक नृत्य और कथकली जैसी शास्त्रीय नृत्य ने अलग ही रंग भर दिया।

उत्सव देखने आए लोगों ने मीडिया को बताया कि बारिश, प्राकृतिक आपदाओं और महामारी के कारण कई वर्षों से समारोह का आयोजन उतना भव्य नहीं हुआ था, जैसा कि पहले हुआ करता था। उन्होंने कहा, इस वर्ष उत्सव की शुरुआत रविवार को हुई, इसीलिए टीवी पर देखने के बजाय मौके पर आकर देखने का निर्णय लिया। रजवाड़ों के समय में, कोच्चि के महाराजा त्रिपुनिथुरा से त्रिक्काकारा के वामनमूर्ति मंदिर तक शोभायात्र में भाग लेते थे।

दंतकथाओं के अनुसार, यह त्योहार राजा महाबली के स्वागत के लिए मनाया जाता है। माना जाता है कि उनकी आत्मा ओणम के दौरान अपनी प्रजा को देखने के लिए केरल आती है।

फार्मा-चिकित्सा उपकरण क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय नीति लाने के अंतिम चरण में है भारत : मांडविया

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि भारत फार्मा-चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने तथा नवोन्मेष के लिए एक राष्ट्रीय नीति लाने के अंतिम चरण में है। मांडविया ने यहां 17 से 19 अगस्त तक आयोजित जी-20 के स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक से इतर रविवार को फार्मास्युटिकल क्षेत्र के भारतीय उद्यमियों, जी-20 देशों के मंत्रियों एवं प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में गुणवत्ता, पहुंच और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारत की प्रतिबद्धता कोविड-19 महामारी के दौरान विशेष रूप से प्रदर्शित हुई।

मांडविया ने स्वास्थ्य देखभाल के भविष्य को लेकर भारत के दृष्टिकोण के बारे में भी बात की, जो मात्रा-आधारित दृष्टिकोण से मूल्य-आधारित नेतृत्व मॉडल में बदलाव पर केंद्रित है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा उन्नति में अनुसंधान और विकास के सर्वोपरि महत्व को स्वीकार करते हुए मंडाविया ने एक अभिनव वातावरण को बढ़ावा देने में भारत की प्रगति की घोषणा की। उनके हवाले से कहा गया, भारत फार्मा-चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने तथा नवोन्मेष के लिए राष्ट्रीय नीति लाने के अंतिम चरण में है।

आंध्र प्रदेश राज्य परिवहन की बस गहरी खाई में गिरी, दो यात्रियों की मौत, 20 अन्य घायल

पाडेरु(आंध्र प्रदेश)/भाषा। अल्लूरी सीताराम राजू जिले के पाडेरु शहर के पास रविवार को आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की बस गहरी खाई में गिर गई जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस विशाखापट्टनम से पाडेरु आ रही थी लेकिन यहां से 20 किलोमीटर दूर अम्मावारी पदालू व्यूप्वाइंट के पास वह गहरी खाई में गिर गई। उन्होंने बताया कि यह हादसा अपराह्न करीब तीन बजे हुआ।

केरल सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, कल्याण बोर्ड पेंशन का वितरण शुरू किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने आगामी ओणम त्योहार को देखते हुए राज्य में मई और जून के लिए सामाजिक सुरक्षा, कल्याण बोर्ड पेंशन का वितरण शुरू कर दिया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि सरकार लगभग 60 लाख लाभार्थियों में से प्रत्येक को 3,200 रुपए देगी और इसके लिए 1,762 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। राज्य सरकार हर महीने लाभार्थियों को 1,600 रुपए कल्याण बोर्ड पेंशन के रूप में दे रही है और वर्तमान में मई और जून के लिए राशि का वितरण किया जा रहा है। विजयन ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ओणम त्योहार मनाने के लिए लगभग 60 लाख लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रूप में 3,200 रुपए दिए जाएंगे।

हिमाचल प्रदेश में भारी नुकसान हुआ, केंद्र हरसंभव मदद प्रदान करेगा : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को कहा कि केंद्र बारिश से प्रभावित हिमाचल प्रदेश की गंभीर स्थिति से चिंतित है और इस आपदा के कारण विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। स्थिति का जायजा लेने के लिए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल के साथ नड्डा राज्य के दौरे पर हैं।

सिरमौर के पोंटा साहिब से राज्य के बाढ़ और बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा शुरू करने वाले भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मैं मानव जीवन की हानि और नुकसान को देखकर दुखी हूं तथा विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन देता हूं।

नड्डा ने एक ऐसे परिवार से मुलाकात की, जिसने 10 अगस्त को अचानक आई बाढ़ में अपने पांच सदस्यों को खो दिया था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हिमाचल प्रदेश में भारी नुकसान हुआ है और केंद्र सरकार स्थिति को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है। प्रशासन द्वारा राहत प्रदान किए जाने और पुनर्वास कार्य शुरू करने के प्रयास जारी हैं। केंद्रीय मदद मिलती रहेगी और सभी विस्थापित लोगों का पुनर्वास किया जाएगा।

बाद में नड्डा ने समर हिल में शिव मंदिर क्षेत्र का दौरा किया जो 14 अगस्त को भारी भूस्खलन के बाद क्षतिग्रस्त हो गया था। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष ने कृष्णानगर का भी दौरा किया।

नड्डा के खिलाफ शिकायत पर उच्च न्यायालय ने कहा

बेतुके आरोपों पर लापरवाही से मामला दर्ज किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य विधानसभा चुनाव से पहले विजयपुरा जिले में मई में दिए गए एक भाषण के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा के खिलाफ दर्ज एक मामले में आपराधिक कार्यवाही रद्द करते हुए कहा कि यह बेतुके आरोपों पर लापरवाही से दर्ज किया गया। हरपनहल्ली थाने में एक चुनाव अधिकारी द्वारा नौ मई को धारा 171 एफ के तहत एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस धारा के तहत मामला गैर संज्ञेय अपराध का है। शिकायत में आरोप लगाया गया नड्डा ने एक जनसभा में मतदाताओं को यह कहते हुए चेतावनी दी थी कि यदि भाजपा को वोट नहीं दिया गया, तो वे केंद्रीय योजनाओं का लाभ खो देंगे।

मामले को मजिस्ट्रेट के पास भेजा गया, जिन्होंने प्राथमिकी दर्ज करने की अनुमति दे दी। इसके बाद, नड्डा ने इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। नड्डा के वकील और सरकारी वकील की दलील सुनने के बाद न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा कि आरोप अस्पष्ट हैं। न्यायाधीश ने कहा, आरोप यह है कि याचिकाकर्ता द्वारा सात मई 2023 को एक जनसभा में मतदाताओं को धमकी देकर आचार संहिता का उल्लंघन किया गया। शिकायत बिल्कुल अस्पष्ट है।

न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ बिल्कुल अस्पष्ट शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। उच्च न्यायालय के फैसले में शिकायत की प्रति का हवाला दिया गया, जिसमें केवल यह कहा गया कि नड्डा ने आचार संहिता का उल्लंघन किया और किसी भी विवरण का उल्लेख नहीं किया गया। उच्च न्यायालय ने आगे कहा कि आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देना कानून का दुरुपयोग होगा। न्यायाधीश ने कहा, 'यदि उपरोक्त तथ्यों के आधार पर याचिकाकर्ता के खिलाफ आगे की जांच जारी रखने की अनुमति दी जाती है, तो यह अपराध के संबंध में लापरवाही से दर्ज मामले में जांच की अनुमति देने की उत्कृष्ट मिसाल बन जाएगा, जो पहली नजर में कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।' एक मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए, उच्च न्यायालय ने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सात में से तीन आधार तत्व वर्तमान मामले में लागू होते हैं।

न्यायाधीश ने कहा, 'पहला आधार तत्व यह है कि जहां आरोपों को उसकी सत्यता के बारे में ज्यादा सोच-विचार किये बिना स्वीकार कर लिया जाता है, तो वहां आरोपी के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है। पांचवां आधार तत्व यह है कि जहां प्राथमिकी में आरोप इतने बेतुके और असंभाव्य हैं, तो यह कार्यवाही को रद्द करने के लिए पर्याप्त आधार होगा।'

अदालत ने कहा कि सातवां आधार तत्व यह है कि जहां आपराधिक कार्यवाही आरोपी को परेशान करने की दृष्टि से दुर्भावनापूर्ण तरीके से शुरू की गई है, ऐसी कार्यवाही को रद्द कर दिया जाना चाहिए। अदालत ने तीनों आधार तत्व का जिक्र करते हुए कहा कि ये पूरी तरह से मौजूदा मामले पर लागू होते हैं। न्यायाधीश ने याचिका को मंजूर करते हुए निचली अदालत के समक्ष लंबित जांच को रद्द कर दिया।

न्यायाधीश ने कहा

'यदि उपरोक्त तथ्यों के आधार पर याचिकाकर्ता के खिलाफ आगे की जांच जारी रखने की अनुमति दी जाती है, तो यह अपराध के संबंध में लापरवाही से दर्ज मामले में जांच की अनुमति देने की उत्कृष्ट मिसाल बन जाएगा, जो पहली नजर में कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।'

बेंगलूरु में रविवार को केपीसीसी कार्यालय में आयोजित एक समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स के जन्मदिन कार्यक्रम में दो आत्माओं के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। साथ ही मंत्री केजे जॉर्ज, बोसराज, मधु बंगारप्पा, वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद, कार्यकारी अध्यक्ष सलीम अहमद, चंद्रप्पा, पूर्व मंत्री रेवन्ना आदि।

दो महान नेताओं की जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां क्वीन्स रोड पर केपीसीसी कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स की जयंती पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब मैं एसएम कृष्णा के मंत्रिमंडल में शहरी विकास मंत्री था, तो मैंने हर पंचायत में राजीव गांधी युवा शक्ति केंद्र की स्थापना की। अन्य सरकारों ने राजीव गांधी के नाम के कारण इस परियोजना को जारी नहीं रखा। अब हम इन केंद्रों को पुनर्जीवित करने और युवा शक्ति को जागृत करने के लिए काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी सिर्फ एक नाम नहीं हैं। वह देश की युवा सोच की शक्ति हैं। इसके अलावा, आज देवराज अर्स का भी जन्मदिन है, जो इस कर्नाटक की शक्ति थे। दो महान शक्तियों का शासन सभी के लिए एक मॉडल है हम सभी के लिए। पिछली सरकार ने चुनाव नहीं कराए क्योंकि वह विकेंद्रीकरण में विश्वास नहीं करती थी, अब हम जल्द से जल्द सभी स्थानीय निकायों के लिए चुनाव कराएंगे। बीबीएमपी चुनाव हमारी पहली प्राथमिकता है। राहुल गांधी ने नेताओं को निगम परिषद समेत अन्य शक्तियां देने का सुझाव दिया है, जिससे पार्टी को मजबूती मिलेगी। इसके मुताबिक जल्द ही सभी से चर्चा कर नियम बनाए जाएंगे और पार्टी की सभी इकाइयों के सदस्यों को समान अवसर दिया जाएगा।

चित्रदुर्गा के गांव में डीआरडीओ का ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। कर्नाटक में चित्रदुर्ग जिले के एक गांव में रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित एक मानव रहित वायु यान (यूएवी) दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह ड्रोन तापस 07 ए-14, जिले के हिरियूर तालुक स्थित वड्डिकेरे गांव के बाहर खेतों में दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

सूत्रों के मुताबिक, यह घटना उस वक्त हुई जब डीआरडीओ का ड्रोन परीक्षण उड़ान पर था। इस घटना पर डीआरडीओ के अधिकारियों की टिप्पणी नहीं मिल पायी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह मानव रहित विमान - तापस 07 ए-14, जिले के हिरियूर तालुक स्थित वड्डिकेरे गांव के बाहर खेतों में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। डीआरडीओ ने एक्स (पूर्ववर्ती ट्विटर) पर लिखा, यह घटना उस वक्त हुई जब डीआरडीओ का यह यूएवी परीक्षण उड़ान पर था। तापस ने आज सुबह कर्नाटक के एटीआर चैलकेरे से परीक्षण के लिये उड़ान भरी थी।

इसने कहा, 'तकनीकी कारणों का पता लगाया जा रहा है और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।' घटना से संबंधित वीडियो और तस्वीरों से पता चलता है कि दुर्घटना के बाद यूएवी टूट गया और उसके पुर्जे खेतों में बिखर गये। दुर्घटना के वक्त तेज आवाज आने के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थानीय प्राधिकारियों को इसकी सूचना दी।

'नीट' के खिलाफ द्रमुक की भूख हड़ताल शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को रद्द करने की मांग को लेकर राज्यव्यापी भूख हड़ताल रविवार को पूरे तमिलनाडु में शुरू हुई। इस हड़ताल का नेतृत्व राज्य के मंत्री और पार्टी की युवा इकाई के प्रमुख उदयनिधि स्टालिन कर रहे हैं। उदयनिधि के साथ द्रमुक के वरिष्ठ नेताओं और कैबिनेट मंत्रियों दुरईमुरुगन, एम. सुब्रमण्यम और पीके शेखर बाबू, पार्टी के सांसद, विधायक और चेन्नई की महापौर प्रिया आर ने भी यहां वल्लूवर कोट्टम में प्रदर्शन में भाग लिया। नीट की वजह से कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों की एक तस्वीर यहां मंच पर लगायी गयी और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गयी। पिछले सप्ताह एक अभ्यर्थी की कथित आत्महत्या के मद्देनजर इस केंद्रीय प्रवेश परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पूरे राज्य में भूख हड़ताल का आह्वान किया गया है। दुरईमुरुगन ने कहा कि द्रमुक लंबे समय से नीट का विरोध कर रही है। पूर्ववर्ती अन्ना द्रमुक और मौजूदा द्रमुक दोनों सरकारों के दौरान विधानसभा में नीट के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। नीट विरोधी एक विधेयक राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा हुआ है। दुरईमुरुगन ने कहा कि बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद केंद्र सरकार नीट के खिलाफ तमिलनाडु के आग्रह को स्वीकार नहीं कर रही है।

राज्यपाल ने कांग्रेस के 3 एमएलसी नियुक्त किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा नामित तीन उम्मीदवारों को एमएलसी नियुक्त किया। राज्यपाल ने एम.आर.सीताराम, उमाश्री और एच.पी. सुधन दास को एमएलसी नियुक्त किया है। उमाश्री मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की करीबी विश्वासपात्र हैं और बागलकोट जिले के टेराडल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। वह 2013 और 2018 के बीच सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली सरकार में महिला और बाल विकास मंत्री रह चुकी हैं। उन्हें कलाकार कोटे से एमएलसी पद के लिए नामित किया गया है।

एम.आर.सीताराम पूर्व मंत्री, उद्यमी और शिक्षाविद् हैं। सूत्रों का कहना है कि वह बेहद साधन संपन्न हैं और मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के करीबी भी हैं। शिक्षा में योगदान देने वाले व्यक्तियों के लिए आरक्षित कोटे के तहत एमएलसी पद के लिए उनके नाम पर विचार किया गया। सुधन दास पूर्व विधायक एच. पुट्टादास के बेटे हैं, जिन्होंने सतानुरु निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। बाद में इस सीट का प्रतिनिधित्व उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार करने लगे थे।

सूत्रों ने बताया कि सुधन दास पांच महीने पहले कांग्रेस में शामिल हुए थे और उन्हें समाज सेवा के कोटे के तहत माना गया था। सुधन दास प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूर्व अधिकारी भी हैं। वह भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं और उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने के लिए वीआरएस लिया था। वह ईडी के कर्नाटक और केरल प्रभारी उप निदेशक थे। वह अनुसूचित जाति समुदाय से आते हैं और दलित नेता हैं।

शिवकुमार ने दास को एमएलसी पद का वादा करके पार्टी में शामिल किया था, हालांकि दास की पदोन्नति का पार्टी नेताओं ने विरोध किया है और इसकी शिकायत कांग्रेस आलाकमान से भी की गई है। दास के नामांकन के खिलाफ राज्यपाल के पास भी शिकायत दर्ज कराई गई है। आरोप है कि सीताराम पर अवैध धन हस्तांतरण का आरोप लगा था। सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल ने सरकार से स्पष्टीकरण मिलने के बाद दास की नियुक्ति की।

एआईसीसी प्रवक्ता संकेत येनागी ने कहा कि पार्टी को केवल वरिष्ठ नेताओं और उनके परिवारों को तरजीह देने के बजाय सक्षम, सुशिक्षित, भावुक और समर्पित युवाओं के लिए अवसर पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो पार्टी के पास कोई युवा नेता नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाना चाहिए।

'नीट' परीक्षा में छूट मिलने तक द्रमुक का प्रदर्शन जारी रहेगा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को राज्य के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से छूट के लिए हरसंभव प्रयास करने का वादा किया। स्टालिन के बेटे तथा कैबिनेट मंत्री उदयनिधि की अगुवाई में पार्टी की नीट को रद्द करने की मांग को लेकर राज्यव्यापी भूख हड़ताल आज से पूरे तमिलनाडु में शुरू हुई।

स्टालिन ने एक शादी समारोह में कहा कि तमिलनाडु को केंद्रीय प्रवेश परीक्षा से छूट मिलने तक द्रमुक नहीं रुकेगी। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नीट का 'राजनीतिकरण' करने के लिए राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना की।

स्टालिन ने तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि पर उनकी हाल में की टिप्पिणयों के लिए निशाना साधा कि वह राज्य के नीट विरोधी विधेयक पर कभी हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

स्टालिन ने कहा कि यह मामला अब राष्ट्रपति के पास है और राज्यपाल का काम केवल 'डाकिये' का है, जिन्हें राज्य विधानसभा द्वारा पारित मामलों को राष्ट्रपति भवन भेजना पड़ता है।

सत्तारूढ़ पार्टी की भूख हड़ताल मदुरै के अलावा पूरे राज्य में हो रही है जहां विपक्षी अन्ना द्रमुक आज अपना विशाल राज्य सम्मेलन आयोजित कर रही है।

पार्टी की युवा इकाई के प्रमुख उदयनिधि के साथ द्रमुक के वरिष्ठ नेताओं और कैबिनेट मंत्रियों दुरईमुरुगन, एम. सुब्रमण्यम और पीके शेखर बाबू, पार्टी के सांसद, विधायक और चेन्नई की महापौर प्रिया आर ने भी यहां वल्लूवर कोट्टम में प्रदर्शन में भाग लिया। नीट की वजह से कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों की एक तस्वीर यहां मंच पर लगायी गयी और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गयी। पिछले सप्ताह एक अभ्यर्थी की कथित आत्महत्या के मद्देनजर इस केंद्रीय प्रवेश परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पूरे राज्य में भूख हड़ताल का आह्वान किया गया है।

शादी समारोह में स्टालिन ने दोहराया कि उनकी पार्टी नीट लागू होने के बाद से ही उसका विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि अन्ना द्रमुक सरकार के दौरान विधानसभा द्वारा पारित विधेयक लौटा दिया गया था और तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी ने इसका खुलासा नहीं किया था, इसके बाद विधेयक समाप्त हो गया था। उन्होंने राज्यपाल की हाल की टिप्पणियों के संदर्भ में कहा, राष्ट्रपति को केंद्र की सलाह पर विधेयक पर फैसला करना चाहिए। केवल राष्ट्रपति के पास शक्ति है न कि राज्यपाल के पास, उनका काम केवल डाकिये का है, जो हमने भेजा है, उन्हें वह भेजना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह संघर्ष जारी रहेगा, नीट में छूट मिलने तक द्रमुक नहीं रुकेगी। भले ही सत्ता में रहे या न रहे, यह आंदोलन लोगों के लिए काम करता रहेगा।' यहां प्रदर्शन स्थल पर दुरईमुरुगन ने कहा कि बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद केंद्र सरकार नीट के खिलाफ तमिलनाडु के आग्रह को स्वीकार नहीं कर रही है। इस बीच, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलई ने सत्तारूढ़ द्रमुक पर 'नीट का राजनीतिकरण' करने का आरोप लगाया।

कावेरी, महादायी, कृष्णा जल विवाद, बांधों की जल स्थिति पर चर्चा के लिए 23 को सर्वदलीय बैठक : डी.के. शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, हमने कावेरी, महादयी, कृष्णा और अन्य जल विवादों, राज्य के बांधों में पानी की स्थिति पर चर्चा के लिए बुधवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में कुछ सांसदों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने रविवार को केपीसीसी कार्यालय के पास मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि हमने यह महाधिवक्ता पर छोड़ दिया है कि कानूनी लड़ाई कैसे लड़नी है। इस साल ठीक से बारिश नहीं हुई है। इसलिए कर्नाटक राज्य और किसानों के कल्याण की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। राज्य में बांधों में पानी का स्तर गिर गया है और हमने इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई है।हम सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रहे हैं। हमने पहले ही प्राधिकरण से पानी निकालने के फैसले की समीक्षा करने का अनुरोध किया है। हमें

किसानों के हितों का ध्यान रखना है। कोर्ट के फैसले को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

वहीं भाजपा और अन्य दल के मित्र इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने को तैयार हैं। उनके समय में क्या हुआ, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। हमने यह कहने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है कि इस मामले में राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

जब उनसे कल बेंगलूरु-मैसूर एक्सप्रेस राजमार्ग को अवरुद्ध करने की भाजपा की योजना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, क्या यह उनकी सड़क नहीं है? वहां कई लोगों की जान चली गई है। उन्हें लड़ने दें।

जब उनसे अयानुर मंजूनाथ की यात्रा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, कई लोग मुझसे मिलने आ रहे हैं। क्या आप बता सकते हैं कि कौन किस कारण से आ रहा है? वह उनके जीवन और भविष्य का ख्याल रखेंगे। सीटी रवि हमें धमकी दे रहे हैं।

हम हाथ काटना भी जानते हैं। जब उन्होंने ऑपरेशन किया तो क्या हुआ? क्या आपने कांग्रेस पार्टी के विधायकों को नहीं लिया और मौज नहीं की? उन्हें राजनीति करने दीजिए। आप जो धमकी देते हैं क्या कोई और नहीं कर सकता? क्या आपने गठबंधन सरकार नहीं गिराई और सत्ता हटाओ? हमें संख्या बल के लिए किसी की जरूरत नहीं है।

जयंती

रविवार को बेंगलूरु में पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्ष की 108वीं जयंती के दौरान कागोडु तिम्मप्पा को देव उर्स पुरस्कार प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया।

विदेशी मदद पर निर्भरता कम करने के लिए स्मार्ट प्रशिक्षण समाधान विकसित कर रहा आईआईटी मद्रास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 से भारतीय खिलाड़ियों को अधिक पदक जीतने में मदद करने के लिए मद्रास स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) उपकरण और सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है। ये उपकरण और सॉफ्टवेयर खिलाड़ी और कोच की तैयारी और प्रशिक्षण को अधिकतम स्तर पर ले जाने में मददगार होगा।

'स्मार्टबॉक्सर' से भारतीय मुक्केबाजों को खेल का मूल्यांकन प्रदान करने से लेकर स्वैट मॉनिटर' जैसे उपकरणों का निर्माण करने के बाद आईआईटी मद्रास अब खिलाड़ियों और कोचों दोनों के काम को आसान करने के साथ विदेशी मदद पर निर्भरता कम करना चाहता है।

अधिकारियों का कहना है कि दूसरे देश अपनी तकनीक को स्वतंत्र रूप से साझा नहीं करना चाहते हैं, जिसके कारण भारतीय खिलाड़ियों को नुकसान होता है और उन्हें उन्नत खेल तकनीक के साथ प्रशिक्षण के लिए विदेश यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आईआईटी मद्रास में खेल विज्ञान और विश्लेषण विभाग के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के प्रमुख महेश पंचागनुला ने पीटीआई-भाषा' से कहा, हमारे बहुत से एथलीट प्रशिक्षण के लिए विदेश जाते हैं। वे मूल रूप से विदेशी तकनीक और कोच दोनों पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं। इससे हमारी मुद्रा कोष पर बहुत बड़ा बोझ पड़ता और व्यापक तौर पर खिलाड़ियों को बहुत ज्यादा लाभ नहीं होता है।

पंचागनुला ने कहा कि 'हम इस मामले में कमी को दूर करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के साथ काम कर रहे है। उन्होंने कहा, हम कोच की समस्या का समाधान नहीं कर सकते लेकिन तकनीक से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकाल सकते है।' उन्होंने कहा, 'हम भारतीय खेल प्राधिकरण के अलावा विभिन्न खेल महासंघों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम जो विकसित कर रहे हैं वह वास्तव में खिलाड़ियों के लिए उपयोगी है।'

पंचागनुला ने कहा, 'हमारा लक्ष्य अगले दस वर्षों में (भारत को ओलंपिक जैसे खेल में) कम से कम 25 स्वर्ण पदक दिलाने में मदद करना है।

शोधकर्ता खिलाड़ियों के लिए 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)' और 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)' पर आधारित समाधान डिजाइन कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास के एसोसिएट प्रोफेसर बाबजी श्रीनिवासन ने कहा, हमने 2024 ओलंपिक में भारत की मुक्केबाजी पदक तालिका बढ़ाने के लिए एक लागत प्रभावी मुक्केबाजी मूल्यांकन मंच 'स्मार्टबॉक्सर' विकसित किया है। उन्होंने कहा, 'इसमें खिलाड़ी के प्रदर्शन के बारे में विश्लेषण प्रदान करने के लिए आईओटी'आधारित सेंसर और वीडियो कैमरों का उपयोग शामिल है।'

कोयंबटूर में सितंबर के पहले सप्ताह में 'सेमोझी पूंगा' की आधारशिला रख सकते हैं स्टालिन

कोयंबटूर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन कोयंबटूर स्थित 150 साल से अधिक पुरानी केंद्रीय जेल के परिसर में सितंबर के पहले सप्ताह में थीम पार्क 'सेमोझी पूंगा' की आधारशिला रख सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। परियोजना के पहले चरण में ब्रिटिश कालीन जेल के परिसर में 45 एकड़ भूमि पर कई थीम आधारित उद्यान और एक सभागृह बनाया जाएगा। इसी जेल में स्वतंत्रता से पहले वी ओ चिदंबरम पिल्लै तथा अन्य स्वाधीनता सेनानियों को कैद रखा गया था।

यहां एक सूत्र ने कहा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कार्यालय को निमंत्रण भेजा गया है और मुख्यमंत्री सितंबर के पहले सप्ताह में परियोजना के पहले चरण की आधारशिला रख सकते हैं। कोयंबटूर में 2010 में आयोजित विश्व शास्त्रीय तमिल सम्मेलन में तत्कालीन मुख्यमंत्री एम करुणानिधि ने परियोजना की घोषणा की थी।

भाजपा ने ठान लिया है कि कांग्रेस ने जो किया उसका नामो निशान मिटा देंगे : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी पहुंचकर पूर्व पीएम स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि दी। गहलोत ने कहा-बीजेपी ने ठान लिया है कि कांग्रेस ने जो कुछ देश में किया, उसका नामो निशान मिटा दो। पीएम छह बार नहीं 15-20 बार राजस्थान आ जाएं, जनता ने तय कर लिया है कि कांग्रेस सरकार रिपीट होगी। गहलोत ने कहा कि दुर्भाग्य इस बात का है कि प्रधानमंत्री समझ क्यों नहीं रहे हैं? उनकी पार्टी ने ठान लिया है कि जो 60-70 साल में कांग्रेस ने क्या किया, आजादी के पहले क्या किया, त्याग बलिदान कुर्बानियां दीं। जेलों में 10-10 साल तक बंद रहे, उन सब को देश में भुला दो, नामो निशान मिटा दो।

दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू के नाम पर संग्रहालय का नाम बदल दिया। किस स्तर पर लोग जा रहे हैं, मेरी समझ से परे है। मेरी जिन्दगी में मैंने कभी किसी भी प्रधानमंत्री से ये उम्मीद नहीं की कि वो इस तरह की सोच रखता होगा कि आप नामो निशान मिटा दो, जिन्होंने देश का इतिहास बनाया है। बहुत भारी ब्लंडर कर रहे हैं वो लोग, अगर मोदीजी आरएसएस के दबाव में कर रहे हैं तो भी गलत है, खुदकी सोच से कर रहे हैं तो भी गलत है और बीजेपी के दबाव में करें तो भी गलत है। क्योंकि एक प्रधानमंत्री देश का प्रधानमंत्री होता है एक पार्टी का प्रधानमंत्री नहीं होता है। प्रधानमंत्री को वही करना चाहिए जो देश चाहता है। देश इतिहास बनाता है तो उसमें भागीदारी निभाएं। आज ये इतिहास मिटाएंगे तो आने वाले वक्त में जब ये लोग बदलेंगे, इनका इतिहास स्वत: ही मिट जाएगा, बल्कि काले अक्षरों में लिखा जाएगा, उस वक्त के कार्यकाल के अंदर जो व्यवहार किया गया वो उचित नहीं था। ये इतिहासकार आने वाले वक्त के अंदर लिखेंगे

और ये इनको मंजूर है, तो आप सोच सकते हो कि किस हद तक राज चाहते हैं ये, अगर आप परवाह ही नहीं करते हो कि मंजूर है कि कुछ भी कहो आने वाली पीढ़ी हमारे बारे में हम परवाह ही नहीं करते, इसका मतलब ये फासिस्टवादी सोच है। ये लोकतंत्र की हत्या करने वाली सोच है। संविधान की हत्या करने वाली सोच है। कैसे भूल सकते हैं हम लोग, हम तो राजस्थान के लोग हैं जो परम्परा का निर्वहन कर रहे हैं।

सीएम ने कहा कि जब तत्कालीन सीएम भैरो सिंह शेखावत साहब को हमने हराया था, हमारी 156 सीटें आ गईं, वो 32 पर आ गए। मैं मुख्यमंत्री बन गया। रिश्ते हमने क्या रखे, वो विपक्ष में थे उनके साथ रिश्ते वही रखें, बीमार हुए तो हम लोग मिलते रहते थे, डेथ हो गई तो हमने उनको ससम्मान सम्मान दिया, पूरा प्रदेश जानता है। एक दूसरे के प्रति ये भावनाएं होनी चाहिए।

गहलोत बोले लेकिन ये सब सीमाएं प्रधानमंत्री जी तोड़ रहे हैं उचित नहीं कहा जा सकता है। आप छह बार आ गए राजस्थान, 6 बार नहीं 15 बार आ जाओ, 20 बार आ जाओ, अप डाउन करो, तब भी इस बार जनता तय कर चुकी है सरकार रिपीट करने के लिए और जनता ही माई बाप है। कितना ही पैसा लगा दो, साधन झोंक दो, बड़े बड़े रैलियां- रोड़ शो सब करेंगे ये लोग। अब इनके मंत्री- एमएलए यहां पर आकर बैठ गए। इस सरकार को गिरा नहीं पाए यही उनके दिल में आग लगी हुई है, चाहे वो मोदी जी हों, अमित शाहजी हों, धर्मेंद्र प्रधान हों, गजेंद्र सिंह शेखावत हों और भी कई लोग होंगे। जिन्होंने सरकार गिराने का षड़यंत्र किया और प्रदेश की जनता ने इनको मात दी। मैं अकेला नहीं था, हमारे साथी थे, विधायक थे, हाईकमान हमारे साथ थी। प्रदेशवासियों में माहौल था सरकार गिरनी नहीं चाहिए। इतने विधायक मुझे कहते थे क्षेत्र से लोगों के फोन आ रहे हैं, चाहे 6 महीने होटलों में बैठे रहो, लेकिन हमारी सरकार गिरनी नहीं चाहिए। आज मान सम्मान राजस्थान का देश के अंदर बढ़ा है। पूरे देश में चर्चा होती है कि कर्नाटक में सरकार चली गई, मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र में हॉर्स ट्रेडिंग हुई और सरकार यहां नहीं गिरने दी।

बुजुर्ग दंपति के शव तालाब में तैरते मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के सोनियाणा ग्राम से एक दिन पहले घर से खेत गये बुजुर्ग दंपत्ति के शव आज गांव के तालाब में तैरते मिले। पति-पत्नी के शव मिले तब दोनों ने हाथ में लकड़ी से एक-दूसरे को थाम रखा था। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि भैंस को तालाब से निकालने के प्रयास में बुजुर्ग गहराई में चला गया और उसे लकड़ी का सहारा देकर बाहर निकालने की कोशिश में उसकी पत्नी भी तालाब में गिरकर डूब गई और इसी के चलते दंपत्ति की मौत हो गई।

उधर, इस घटना से सोनियाणा में शोक की लहर छा गई। पुलिस ने दंपत्ति के शवों का गंगापुर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिये। कारोई थाना प्रभारी हंसपाल सिंह ने बताया कि सोनियाणा निवासी जीतमल जाट जाट एवं उनकी पत्नी रूकमणी 65 मवेशियों के लिए घास लेने के लिए घर से खेत के लिए निकले थे। दंपत्ति देर शाम तक घर नहीं लौटा। परिजनों एवं ग्रामीणों ने दंपत्ति की तलाश शुरू की। कारोई पुलिस को इस संबंध में सूचना दी गई। पुलिस एवं ग्रामीण खेत पर गये, जहां बाइक खड़ी मिली वहीं पशुओं के लिए काटकर रखा गया चारा भी मिला। लेकिन दंपत्ति का पता नहीं चला।

इस बीच, रविवार सुबह सोनियाणा गांव के तालाब में दंपत्ति का शव तैरता नजर आया। पति-पत्नी लकड़ी के जरिये एक-दूसरे को थामे हुये थे। इसकी सूचना कारोई पुलिस को दी। इस पर थाना प्रभारी सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकलवाये। शव को पोस्टमार्टम के लिए गंगापुर अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिये गये, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये।

विद्युत कम्पनियों को सार्वजनिक रोशनी के बकाया बिलों का होगा भुगतान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सार्वजनिक रोशनी के लिए नगरीय निकायों के बकाया बिलों का भुगतान विद्युत कम्पनियों को किया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भुगतान के लिए 256.28 करोड़ रुपए के अतिरिक्त बजट प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह राशि जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर डिस्कॉम के निजी निक्षेप खातों में हस्तांतरित की जाएगी। गहलोत की इस स्वीकृति से सार्वजनिक रोशनी (एलईडी प्रोजेक्ट) के नगरीय निकायों के बकाया बिलों का भुगतान किया जाएगा। स्वीकृति के अनुसार, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 146.47 करोड़ रुपए, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 26.12 करोड़ रुपए एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 83.69 करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित की जाएगी।

नोहर में पिकअप और कार की टक्कर में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ के नोहर में कार और पिकअप में भीषण टक्कर हो गई। हादसे में घूमने निकले पांच दोस्तों में से चार की मौत हो गई। सभी हरियाणा के हिसार के रहने वाले थे। हादसा शनिवार रात 11 बजे गोगामेड़ी थाना क्षेत्र के गांव परलीका के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, कार सवार पांच दोस्त हरियाणा के हिसार से लोक देवता गोगाजी को धोक लगाने गोगामेड़ी आए थे। धोक लगाने के बाद घूमने के लिए निकले थे। इस दौरान नोहर-भादरा मार्ग पर नोहर की तरफ आते समय उनकी ऑल्टो कार और पिकअप में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई।

हादसे में कार सवार अनिल (30) पुत्र केवलराम, सुरेंद्र (32) पुत्र सुरजीत, कृष्ण (21) पुत्र महेंद्र और राजेश (24) पुत्र लालचंद की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सचिन (26) पुत्र कृष्ण घायल हो गया। गोगामेड़ी थानाधिकारी राधेश्याम थालोड ने बताया कि कार सवार सभी लोगों को नोहर राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। जहां अनिल (30), सुरेन्द्र (32), कृष्ण (21) और राजेश (24) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है।

वहीं मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। जानकारी के अनुसार, अनिल के अलावा तीनों मृतक अविवाहित थे। अनिल फोटोग्राफी का कार्य करता था। सुरेंद्र प्राइवेट जॉब करता था। पांचों दोस्तों ने एक साथ पढ़ाई की थी। फिलहाल, गोगामेड़ी थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जोधपुर पुलिस ने पकड़ा 1 लाख का इनामी बदमाश विशनाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के कई जिलों में वांछित और हिस्ट्रीशीटर विशना राम को जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एसपी धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में शनिवार को की गई कार्रवाई के दौरान आरोपी विशना राम को लोहावट के पास से पकड़ा है। पुलिस से बचने के लिए भाग रहा बदमाश विशनाराम सड़क पर गिर गया, जिससे उसके पैर में चोट लग गई। उसे इलाज के लिए लोहावट के अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिकी उपचार के बाद उसे जोधपुर के मथुरादास अस्पातल रेफर कर दिया गया।

विशनाराम पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह राज्य स्तर पर अपराधी घोषित है। पुलिस पर हमले के अलावा वह एनडीपीएस के मामले में भी वॉन्टेड चल रहा था। विशनाराम उर्फ विशना जांगू पुत्र मोहन राम जांगू विश्नोई जालोड़ा थाना लोहावट का रहने वाला है। पुलिस को उसके दयाकोर गांव में आने की सूचना मिली थी। जिसके आधार पर जोधपुर ग्रामीण पुलिस, फलौदी जिला पुलिस समेत अन्य टीम टीमों ने उसे पकड़ने के लिए घेराबंदी की थी।

चुनाव से पहले पायलट को कांग्रेस वर्किंग कमेटी में जगह देकर गुर्जर समाज को साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सचिन पायलट को तीन साल बाद कांग्रेस में पद मिल गया। उन्हें कांग्रेस वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाया गया है। जुलाई 2020 में बगावत के बाद पायलट को उप मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया था। जिसके बाद से पायलट सिर्फ एक विधायक के तौर पर काम कर रहे थे।

अब सीडब्ल्यूसी में जगह देकर कांग्रेस आलाकमान ने साफ कर दिया है के वे दिल्ली की राजनीति में सक्रिय रहेंगे। सीडब्ल्यूसी मेंबर के ऐलान के बाद पायलट को लेकर लगाए जा रहे कयासों पर भी विराम लग गया है। जिसमें उनके कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस महासचिव बनाए जाने की चर्चा चल रही थी।

इसी तरह राजस्थान में आदिवासी क्षेत्र से आने वाले प्रदेश के जल संसाधन मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय को राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर एक टीम में शामिल किया है। राजस्थान के प्रदेश चुनाव स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गौरव गोगोई को भी राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर उथउ में जगह दी गई है। राजस्थान के पूर्व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे भी महासचिव के तौर पर शामिल किए गए हैं।

अजय माकन भी उथउ मेंबर बनाए गए हैं, जिन्हें मौजूदा प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से पहले विवादों के चलते राजस्थान से इस्तीफा देना पड़ा था। परमानेंट इनवाइटीज में राजस्थान धौलपुर से आने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहन प्रकाश को जगह दी गई है।

सचिन पायलट के पास पिछले तीन साल कोई पद नहीं होने पर प्रदेश के गुर्जर समाज में नाराजगी की बातें सामने आ रही हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान में पहुंचने से पहले पहले गुर्जर समाज से आने वाले नेताओं ने पायलट को सीएम बनाने की बात कही थी। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि विधानसभा चुनाव से पहले पायलट को सीडब्ल्यूसी में जगह मिलने का फायदा कांग्रेस को चुनाव में मिल सकता है।

मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय को राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर केंद्रीय टीम में शामिल किया गया है। बांसवाड़ा के बागीदौरा से विधायक महेंद्रजीत की आदिवासी क्षेत्र से आते हैं। ऐसे में उनकी आदिवासी वोटरों पर अच्छी पकड़ मानी जाती है। कांग्रेस ने महेंद्रजीत को केंद्रीय टीम में जगह देकर चुनाव से पहले आदिवासियों को अपने पाले में खीचने की कोशिश की है।

सीडब्ल्यूसी में शामिल होने के बाद पायलट और गहलोत के बीच का गतिरोध खत्म माना जा रहा है। क्योंकि पार्टी के इस फैसले ने संकेत दे दिया है कि पायलट दिल्ली की राजनीति करेंगे, वहीं गहलोत राजस्थान संभालेंगे।

बतादें कि 2018 के चुनाव के बाद से दोनों नेताओं के बीच में टेंशन देखने को मिल रही थी। जिसे समय-समय पर कांग्रेस आलाकमना ने खत्म कराया था। फिलहाल दोनों नेता शांत हैं और पार्टी को चुनाव जिताने के लिए काम कर रहे हैं।

पिटाई से हुई युवक की मौत के मामले में 10 लोग हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले में कुछ लोगों की पिटाई के कारण हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने 10 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने हालांकि इसके भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या किए जाने (मॉब लिचिंग) की घटना होने से इनकार करते हुए कहा कि युवक शरीर पर चोट के निशान नहीं दिखे हैं और शव पर एकमात्र निशान तेज धार वाले हथियार से हमले का है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों में से कुछ वन विभाग के कर्मचारी बताए जा रहे हैं। कोटपूतली-बहरोड़ की पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने बताया, मामले में दस लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। मौके से नमूने एकत्र करने के लिए जयपुर से फॉरेंसिक टीम बुलायी गयी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुरूआती जांच में वन विभाग के तीन-चार कर्मचारियों और दो अन्य की भूमिका सामने आई है। पुलिस अधीक्षक ने इसके 'मॉब लिंचिंग' का मामला होने से इनकार करते हुए कहा, प्रथम दृष्टया, पीड़ित की मौत किसी तेज धार वाले हथियार के वार के बाद आंतरिक रक्तस्राव से हुई प्रतीत होती है। शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे।

इस बीच, पीड़ित वसीम के परिजन और ग्रामीण हरसोरा थाने पहुंचे और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल शर्मा को ज्ञापन सौंपकर मुआवजे और मामले में त्वरित कार्रवाई और पारदर्शी जांच की मांग की। पुलिस ने शुक्रवार को कहा था कि बृहस्पतिवार रात कुछ लोगों ने नारोल गांव में तीन युवकों को बुरी तरह पीटा जिससे उनमें से एक वसीम की मौत हो गई। युवक के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि वन विभाग की एक टीम ने उसे व दो अन्य युवकों को पकड़ा और उनकी पिटाई की।

200 सीटों पर चुनाव लड़ेगी आप : पालीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने बताया कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा के बाद राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को लिस्ट सौंपी जाएगी। 25 अगस्त तक प्रत्याशियों की पहली लिस्ट आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि आप प्रत्याशियों की सूची जारी होने की खबर से बीजेपी- कांग्रेस में खलबली मची हुई है।

नवीन पालीवाल ने बताया कि पार्टी राजस्थान की सभी 200 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जिसको लेकर हाईकमान ने उन्हें दिल्ली बुलाया है। उन्होंने कहा कि 22 अगस्त को प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा के साथ दिल्ली में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक के साथ बैठक होगी। जिसमें प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा होगी और उसके बाद प्रत्याशियों की पहली सूची पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सौंपी जाएगी।

पालीवाल ने कहा कि राजस्थान की जनता कांग्रेस और बीजेपी के खोखले वादों और दावों से त्रस्त हो चुकी है, इसलिए इस बार जनता ने भी बदलाव का मन बना लिया है। प्रदेश की जनता ने बीजेपी की वसुंधरा सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार को भी देखा है और वर्तमान की गहलोत सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार और महिला पर हो रहे संगीन अपराधों को भी देखा है। जनता बीजेपी शासित मणिपुर के हालातों को भूली नहीं है, जनता ये भी देख रही है कि केंद्र की मोदी सरकार दिल्ली में विकास की गंगा बहाने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को काम करने से रोकने के लिए कितने हथकंडे अपना रही है। इसलिए जनता ने अब राजस्थान में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने का मन बना लिया है।

जयपुर में खुली जेल से भागा हत्यारा

जयपुर। जयपुर की सांगानेर खुली जेल से एक बार फिर कैदी के भागने का मामला सामने आया है। फरार कैदी जेल में हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। काउंटिंग करने पर जेल प्रशासन को बंदी के फरार होने का पता चला। मालपुरा गेट थाने में जेल प्रशासन की ओर से फरार बंदी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर फरार बंदी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि डॉ. सपूर्णानंद बंदी खुला शिविर सांगानेर के हेड कॉन्स्टेबल कजोड़ मल मीणा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। फरार बंदी आरिफ मोहम्मद कुरैशी (27) पुत्र मोहम्मद इशाक है, जो मेहनत नगर सोडाला का रहने वाला है। वह सांगानेर खुली जेल में हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। हत्या से दण्डित बंदी आरिफ मोहम्मद कुरैशी 18 अगस्त की शाम रोलकॉल के समय मौजूद नहीं था। बंदी आरिफ मोहम्मद को उसके आवास और आस-पास तलाश किया, लेकिन वह गायब मिला। उसका मोबाइल नंबर भी स्विच ऑफ मिला।

पौधारोपण

संसदीय क्षेत्र बूंदी के डाबी में बूंदी सैण्ड स्टोन माइन्स ऑनर विकास समिति द्वारा रविवार को आयोजित पौधारोपण महाभियान का शुभारंभ करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

सरकारी योजनाओं का असर लोगों में आने लगा नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की दूरदर्शी सोच के साथ प्रदेश में लाई गई राज्य सरकार की जनहित की योजनाओं का असर अब लोगों में नजर आने लगा है और वे सरकार की प्रशंसा करने लगे हैं। सरकार की चाहे मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना हो या पुरानी पेंशन योजना, स्वास्थ्य का अधिकार, मुख्यमंत्री निशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना या इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना सहित कई योजनाओं के माध्यम से इनके पात्र लोगों के लाभान्वित होने का सिलसिला लगातार जारी है और और लाभान्वित सहित विभिन्न वर्गों के लोग लगातार मुख्यमंत्री से मिलकर उनका आभार जता रहे वहीं लाभान्वित लोग गहलोत की सराहना में कसीदे पढ़ना एवं प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं।

गहलोत भी लगातार अपनी योजनाओं का जनता में फीडबैक ले रहे हैं और पिछले दिनों उनके पैरों के दोनों अंगूठों में चोंट लगने के कारण चल नहीं पाने के बावजूद व्हील चेयर की मदद से भी लगातार अपने आवास मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कायम रखा और लाभार्थियों से मिलकर यह भी पता लगाया कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में लोगों तक पहुंच रहा है या नहीं।

इस योजनाओं के लाभार्थियों का मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहना है कि यह पहली बार देखने को मिल रहा है कि मुख्यमंत्री स्वयं लाभार्थियों से सीधा संवाद कायम कर पूछ रहे हैं कि योजना का लाभ मिल रहा है या नहीं। इससे जहां लाभार्थी बहुत प्रसन्न नजर आये वहीं सरकारी योजनाओं का लोगों पर असर साफ नजर आने लगा है।

सरकारी योजनाओं को लेकर जनता से मिल रहे फीडबैक से गहलोत भी काफी खुश हैं और वह अब हर मौके पर कहने लगे हैं कि उन्हें इस बात की बहुत प्रसन्नता है कि राज्य सरकार की योजनाओं से लोग लाभान्वित हो रहे हैं और इनका असर राजस्थान के बाहर भी देखने को मिल रहा है तथा राजस्थान ने अनेक मामलों में पहल की है और कई राज्यों को दिशा दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी विजय है।

राज्य सरकार द्वारा इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना के तहत चिरंजीवी परिवार की महिलाओं एवं छात्राओं को स्मार्ट फोन का वितरण किया जा रहा है और योजना के तहत झालावाड़ जिले में पंचायत समिति झालरापाटन में आयोजित किए जा रहे शिविर में योजना में लाभ लेने के लिए आने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं में उत्साह देखते ही बन रहा है। इस योजना के तहत झालरापाटन में आयोजित शिविर में शनिवार को 108 वर्षीय मेहताब बाई स्मार्ट फोन लेने आई। स्मार्ट फोन वितरण के दौरान जैसे ही श्रीमती मेहताब बाई को स्मार्टफोन उनके हाथ में दिया गया, उनके चेहरे की खुशी झलक उठी और इस योजना की सफलता को बयां कर दिया।

108 वर्षीय इस बुजुर्ग महिला ने स्मार्ट फोन मिलने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया और उनकी प्रशंसा की। इसी तरह इस योजना के तहत स्मार्टफोन पाने वाली छात्राएं एवं महिलाएं यह फोन पाकर काफी खुश नजर आ रही है वहीं जिन्हें इस योजना के तहत अब फोन मिलना है वह इसका बेसब्री से इंतजार कर रही है। सरकार दो चरणों में एक करोड़ 20 लाख चिरंजीवी परिवार से जुड़ी महिलाओं को निशुल्क स्मार्टफोन देगी और अब तक लाखों महिलाओं को यह फोन दे चुकी हैं। हाल में मुख्यमंत्री ने इस योजना की शुरुआत की थी।

विपक्षी दलों का गठबंधन 'फ्यूज ट्रांसफॉर्मर, रोशनी नहीं दे सकता : लक्ष्मीनारायण चौधरी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' पर तंज कसते हुए इस समूह के सदस्यों को फ्यूज ट्रांसफॉर्मर करार दिया और कहा कि ये जीरो वाट का बल्ब भी नहीं जला सकते, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक ऐसा 'ट्रांसफॉर्मर' हैं जो हर जगह प्रकाश फैलाते हैं।

चौधरी ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा, उदाहरण के लिए 250 यूनिट के 10 ट्रांसफॉर्मर हैं, लेकिन फ्यूज ट्रांसफॉर्मर हैं, इसलिए वे जीरो वाट का बल्ब भी नहीं जला पाएंगे। वहीं, (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी एक ऐसे ट्रांसफॉर्मर हैं, जो हर जगह रोशनी फैलाते हैं। वे (विपक्षी गुट) फ्यूज ट्रांसफॉर्मर हैं, इसलिए 2024 के लोकसभा चुनाव में उनका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन में घोटालेबाज सदस्य हैं, जिनमें सभी के बीच मतभेद का इतिहास रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा का एक प्रमुख चेहरा माने जाने वाले चौधरी ने कहा कि क्षेत्र में जाट एक प्रमुख जाति है और वह भाजपा के साथ मजबूती से खड़ी है। चौधरी ने कहा, जाट एक राष्ट्रवादी समुदाय है और जो पार्टी राष्ट्रवाद की बात करती है, जाट उसके साथ रहते हैं। यहां तक कि मुगल काल के दौरान भी, जाटों ने लड़ाई लड़ी थी और 'सनातन धर्म' एवं देश की रक्षा की थी। उन्होंने यह भी दावा किया, भारतीय संस्कृति की रक्षा और उसे बचाने में अगर सबसे ज्यादा योगदान किसी का है तो वह उन लोगों का है, जो दिल्ली के 200 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मतदाता पूरी तरह से भाजपा के साथ हैं।

झारखंडः माओवादियों ने 65 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या की

चाईबासा/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में माओवादियों ने पुलिस का मुखबिर होने के शक में 65 वर्षीय बुजुर्ग की कथित रूप से हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि गोइलकेरा थाना क्षेत्र के गितिलिपी गांव के पास व्यक्ति का शव मिला। पुलिस अधीक्षक (एसपी) आशुतोष शेखर ने बताया कि शव के पास माओवादियों ने पर्चे छोड़े थे जिनपर लिखा था कि व्यक्ति पुलिस का मुखबिर था इसलिए उसकी हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति का पुलिस से कोई संबंध नहीं था। शेखर ने बताया कि माओवादियों ने शनिवार रात को व्यक्ति का कथित रूप से गला रेत दिया था।

नेपाल सीमा से 1.20 करोड़ रुपए की स्मैक बरामद, एक गिरफ्तार

चंपावत/भाषा। उत्तराखंड के चंपावत जिले से लगती नेपाल सीमा से पुलिस ने एक व्यक्ति के पास से 1.20 करोड़ रुपए कीमत की 605 ग्राम स्मैक बरामद की है और उसे इस बाबत गिरफ्तार कर लिया है। इस साल उत्तराखंड में पकड़ी गई स्मैक की यह सबसे बड़ी खेप बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) देवेंद्र पींचा ने यहां बताया कि 'स्पेशल आपरेशन ग्रुप' (एसओजी) और पुलिस की टीम ने नेपाल सीमा से सटे भारतीय गांव गढीगोठ में जांच के दौरान मोटरसाइकिल सवार को रोका और इसी दौरान उसके कब्जे से 605 ग्राम स्मैक बरामद की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि बरामद स्मैक की कीमत 1.20 करोड़ रुपए है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के परशुरामपुर के रहने वाले 35 वर्षीय जागेश्वर दयाल के रूप में हुई है।

पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बीएसएफ की कई चौकियां बाढ़ के पानी में डूबीं

फिरोजपुर (पंजाब)/भाषा। पंजाब के फिरोजपुर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित बीएसएफ की कई चौकियां और कंटीले तारों की बाड़ सतलुज के जलस्तर में वृद्धि के कारण जलमग्न हो गई हैं। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। अधिकारी ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के कई गांवों को सतलुज में आई बाढ़ का खामियाजा भुगतना पड़ा है, जिससे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

अधिकारी के मुताबिक, तमाम चुनौतियों और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, हमारे जवान 24 घंटे निगरानी बनाए हुए हैं। वे अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, संभावित शत्रुओं को स्थिति का फायदा उठाने से रोकने के लिए मोटरबोट की मदद से निगरानी बढ़ा दी गई है। हालांकि बीएसएफ चौकियां जलमग्न हो गई हैं, लेकिन कर्मी बिना किसी रुकावट के अपना कर्तव्य निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पर स्थित बीएसएफ की चौकियां पांच से छह फुट पानी में डूब गई हैं। पोंग और भाखड़ा बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद पंजाब के गुरदासपुर, होशियारपुर, तरनतारन, कपूरथला, रूपनगर, फिरोजपुर और फाजिल्का जिलों के 150 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने स्वच्छता के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए पाठक की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता पर महात्मा गांधी के विचारों का संस्थागत समाधान देने में बड़ा योगदान देने के लिए 'सुलभ इंटरनेशनल' के संस्थापक बिंदेश्वर पाठक की रविवार को सराहना की।

सामाजिक कार्यकर्ता पाठक का पिछले मंगलवार को यहां एम्स में दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया था। वह 80 साल के थे। उन्होंने देश में सार्वजनिक शौचालय बनाने के लिए काफी काम किया था। मोदी ने पाठक पर एक हिंदी दैनिक में लिखे लेख में कहा कि वह स्वच्छता को लेकर पाठक का जज्बा तब से देखते रहे हैं जब वह गुजरात में थे। प्रधानमंत्री ने कहा, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के बीच इस खबर को आत्मसात कर पाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था कि बिंदेश्वर जी हमारे बीच नहीं रहे। सहज, सरल, विनम्र व्यक्तित्व के धनी सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिंदेश्वर जी का जाना एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को पाठक के जीवन से श्रम की गरिमा सीखनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने 'अमर उजाला' में लिखे लेख में कहा, उनके लिए कोई काम छोटा न था और न ही उनके लिए कोई व्यक्ति छोटा था। साफ-सफाई के काम में जुटे हमारे भाई-बहनों को गरिमामय जीवन दिलाने के लिए उनके प्रयास की दुनिया भर में प्रशंसा हुई है। मुझे याद है कि जब मैंने साफ-सफाई करने वाले भाई-बहनों के पैर धोए थे तो बिंदेश्वर जी इतना भावुक हो गए थे कि उन्होंने मुझसे काफी देर तक उस प्रसंग की चर्चा की थी। मोदी ने कहा, मुझे संतोष है कि स्वच्छ भारत अभियान आज गरीबों के लिए गरिमामय जीवन का प्रतीक बन गया है। ऐसी भी रिपोर्ट हैं, जिनसे यह साबित हुआ है कि स्वच्छ भारत अभियान के कारण आम लोगों को गंदगी से होने वाली बीमारियों से मुक्ति मिल रही है और स्वस्थ जीवन के रास्ते खुल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन की वजह से तीन लाख लोगों की मृत्यु होने से रुकी है। उन्होंने कहा, इतना ही नहीं, यूनिसेफ ने यह तक कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन की वजह से गरीबों के हर साल 50 हजार रुपए तक बच रहे हैं। अगर स्वच्छ भारत मिशन नहीं होता, तो इतने ही रुपए गरीबों को गंदगी से होने वाली बीमारियों के इलाज में खर्च करने पड़ते। स्वच्छ भारत मिशन को इस ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए बिंदेश्वर जी का मार्गदर्शन बहुत ही उपयोगी रहा। मोदी ने कहा, स्वच्छ भारत से स्वस्थ भारत, स्वस्थ भारत से समरस भारत, समरस भारत से सशक्त भारत, सशक्त भारत से समृद्ध भारत की यह यात्रा, अमृतकाल की सबसे जीवंत यात्रा होगी। हां, इस यात्रा में मुझे बिंदेश्वर जी की कमी महसूस होगी।

यादवपुर विवि के छात्र की मौत से केंद्र चिंतित, यूजीसी से कड़ी कार्रवाई के लिए कहा गया : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि केंद्र ने यादवपुर विश्वविद्यालय में कथित तौर पर रैगिंग और यौन उत्पीड़न के बाद एक छात्र की मौत के मामले को गंभीरता से लिया है।

प्रधान ने कहा कि उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मामले में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने को कहा है। बांग्ला भाषा विभाग में स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र 17 वर्षीय किशोर की पाठ्यक्रम में प्रवेश के महज तीन दिन बाद ही एक छात्रावास में मौत होने की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि यह घटना बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा, मैंने यूजीसी से कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किशोर छात्र की जान रैगिंग के कारण गई और कहा कि इस समस्या के खिलाफ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के अनुसार जो भी कदम उठाने की जरूरत होगी, वह उठाए जाएंगे। प्रधान ने यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा, सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या (विश्वविद्यालय में) कोई एंटी-रैगिंग इकाई थी और यदि हां, तो उसकी गतिविधियां क्या थीं, सीसीटीवी लगे थे या नहीं... छात्रावास में बाहरी लोगों को रहने की इजाजत क्यों दी गई। आरोप है कि विवि के कई पूर्व छात्र छात्रावास में रहते हैं और उनमें से एक वर्ग नए छात्रों की रैगिंग करता है।

मेरे बयान का गलत मतलब निकाला गया, सोशल मीडिया के दबाव में बर्खास्त किया : सांगवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'अनअकेडमी' के बर्खास्त शिक्षक करण सांगवान ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने सोशल मीडिया पर 'ट्रोलर्स' के दबाव में उनकी सेवा समाप्त कर दी, जिन्होंने शिक्षित उम्मीदवारों को वोट देने की उनकी सामान्य टिप्पणी का गलत मतलब निकाला। अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में सांगवान ने शनिवार को कहा कि उन्होंने 'अनअकेडमी' में अपने व्याख्यान के दौरान नहीं, बल्कि अपने चैनल पर सामान्य टिप्पणी की थी।

सांगवान ने कहा, बर्खास्तगी क्यों हुई? एक दबाव बनता है और आप उसके बोझ तले दब जाते हैं। आप (अनअकेडमी) उस दबाव को झेल नहीं पाए। इसलिए, दबाव में आपको एक ऐसा कदम उठाना पड़ा जो शायद आप नहीं चाहते थे या आप चाहते थे...मुझे नहीं पता। मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता कि आपके इरादे क्या थे? सांगवान ने दावा किया कि 'अनअकेडमी' ने उनकी बात सुने बिना उनके खिलाफ कार्रवाई की। उन्होंने कहा, आपने मुझे सीधे बर्खास्तगी का नोटिस भेज दिया। सांगवान ने कहा कि दबाव को छिपाने के लिए अनअकेडमी ने आचार संहिता शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि 'अनअकेडमी' ने बर्खास्तगी नोटिस में उदाहरण के तौर पर एक 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) अकाउंट द्वारा व्यक्त किए गए विचारों का हवाला दिया है। सांगवान ने कहा, किसी और के विचार मुझ पर थोपे गए। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को उनका वीडियो वायरल होने के बाद अनपढ़ दिखने वाले ट्रोलर्स द्वारा उन्हें अपशब्द कहे गए, राष्ट्र-विरोधी कहा गया और जान से मारने की धमकियां दी गईं।

उप्र में व्यापारियों के खिलाफ बिना जांच के नहीं दर्ज होगी प्राथमिकीः योगी का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को व्यापारियों के खिलाफ किसी शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच करने का निर्देश दिया है। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को आदेश दिया कि व्यापारियों एवं उद्यमियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के पूर्व प्रारंभिक जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए। उन्होंने कहा कि इसका मकसद परेशान करने एवं अनावश्यक दबाव बनाने के लिए उद्यमियों व व्यापारियों के खिलाफ दर्ज होने वाली आधारहीन प्राथमिकियों की संख्या में कमी लाना है। अब किसी भी व्यक्ति द्वारा व्यापारियों व उद्यमियों के खिलाफ सीधे प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई जा सकेगी।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदम का स्वागत करते हुए भारतीय उद्योग व्यापार मंडल (व्यापारियों का संगठन) के अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने रविवार को पीटीआई-भाषा से कहा, आम तौर पर, एक व्यापारी आपराधिक मानसिकता वाला व्यक्ति नहीं होता है। इस कदम से व्यापारियों में विश्वास का स्तर बढ़ेगा और यही राज्य के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाएगा।

लद्दाख के लोग 'चारागाह भूमि पर चीन के कब्जा' करने से चिंतित : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कथन कि लद्दाख की एक इंच जमीन पर भी चीन ने कब्जा नहीं किया है, सच नहीं है। लद्दाख के दौरे पर आए राहुल गांधी ने अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा, लद्दाख के लोग चीनी सेना द्वारा कब्जे में ली गई अपनी चारागाह भूमि को लेकर चिंतित हैं।

गांधी ने संवाददाताओं से कहा, सभी लोगों (लद्दाख में) का कहना है कि चीनी सेना ने घुसपैठ की है और हमारी चारागाह भूमि पर कब्जा कर लिया है और वे (लोग) अब वहां नहीं जा सकते हैं। वे यह स्पष्ट रूप से कह रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) कहते हैं कि एक इंच भी जमीन नहीं ली गई, जो सच नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि वह अपनी 'भारत जोड़ो' यात्रा के दौरान लद्दाख जाने की योजना बना रहे थे, लेकिन कुछ व्यवस्थागत कारण से उन्हें यह योजना छोड़नी पड़ी। उन्होंने कहा, तो मैंने सोचा कि मुझे आकर लद्दाख का विस्तृत दौरा करना चाहिए। मैं पैंगोंग आया और नुब्रा और कारगिल का दौरा करने जा रहा हूं। विचार यह है कि लोगों को क्या कहना है और उनकी चिंताएं क्या हैं, यह सुनना है।

श्योराण ने भारत के लिए पांचवां ओलंपिक कोटा जीता, महिला और पुरुष टीम को स्वर्ण

अखिल आठ निशानेबाजों के फाइनल में 450.0 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे और अगले साल होने वाले ओलंपिक खेलों का कोटा हासिल करने में सफल रहे। वह क्वालीफिकेशन के बाद 585 अंक के साथ थे छठे स्थान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाकू (अजरबेजान)/भाषा। अखिल श्योराण ने रविवार को यहां आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप की पुरुष राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए देश का पांचवां कोटा स्थान हासिल किया।

अखिल आठ निशानेबाजों के फाइनल में 450.0 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे और अगले साल होने वाले ओलंपिक खेलों का कोटा हासिल करने में सफल रहे। वह क्वालीफिकेशन के बाद 585 अंक के साथ छठे स्थान पर थे।

ऑस्ट्रेलिया के एलेक्जेंडर शमिर्ल ने 462.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। चेक गणराज्य के पेत्र निमबरस्की 459.2 अंक के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहे।

भारतीय महिला टीम ने 25 मीटर पिस्टल में चीनी ताइपै को हराकर स्वर्ण पदक जीता। टीम में रिदम सांगवान, एशा सिंह और मनु भाकर थी। तीनों ने 1744 अंक बनाए। चीन को कांस्य पदक मिला।

सांगवान व्यक्तिगत फाइनल में आठवें स्थान पर रही और पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने में नाकाम रही।

श्योराण, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार ने पुरुषों की थ्री पोजिशन पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

श्योराण ने कहा, मेरे लिए यह बहुत मायने रखता है। हम इसके लिए काफी मेहनत कर रहे थे। विश्व चैम्पियनशिप चार साल में एक बार होती है। इसमें पदक जीतकर कोटा हासिल करना काफी संतोषजनक है।

अखिल से पहले भवनीश मेंदिरत्ता (पुरुष ट्रैप), गत विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल), स्वप्निल कुसाले (पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन) और मेहुल घोष (महिला 10 मीटर एयर राइफल) ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाई प्रतियोगिता है।

इस प्रतियोगिता में 12 ओलंपिक व्यक्तिगत निशानेबाजी स्पर्धा में 48 ओलंपिक कोटा दांव पर लगे हैं जो स्पर्धा में शीर्ष चार (प्रत्येक देश से एक) पर रहने वाले निशानेबाजों को दिए जाएंगे।

'ढाका में आपा खोने पर कोई पछतावा नहीं'

लंदन/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रविवार को कहा कि पिछले महीने ढाका में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान उन्हें अपना आपा खोने पर कोई पछतावा नहीं है। हरमनप्रीत पर इस कारण दो मैचों का प्रतिबंध लगा था। ढाका में अंपायर के उन्हें आउट देने के बाद उन्होंने स्टंप पर बल्ला मार दिया था। बाद में मैच के बाद भी उन्होंने द्विपक्षीय शृंखला के दौरान हुई अंपायरिंग को खराब बताया था।

प्रतिबंध के कारण हरमनप्रीत भारत के सितंबर-अक्टूबर में हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाएंगी। हरमनप्रीत ने महिलाओं के 'द हंड्रेड' के दौरान 'द क्रिकेट पेपर' से कहा, मैं ऐसा नहीं कहूंगी कि मुझे किसी चीज का पछतावा है क्योंकि बतौर खिलाड़ी आप देखना चाहते हो कि ठीक चीजें हो रही हैं। बतौर खिलाड़ी आपके पास हमेशा खुद को अभिव्यक्त करने और आप क्या महसूस कर रहे हो, उसे बताने का अधिकार होता है। हरमनप्रीत टूर्नामेंट में 'ट्रेंट रॉकेट्स' के लिए खेल रही हैं।

भोजपुरी अभिनेता निरहुआ बलिया विद्रोह पर फिल्म बनाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया (उत्तर प्रदेश)/भाषा। भाजपा के सांसद और भोजपुरी फिल्म अभिनेता दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने कहा है कि वह स्वतंत्रता आंदोलन में बलिया की भूमिका को उजागर करने के लिए 1942 के बलिया विद्रोह पर एक फिल्म बनाएंगे। आजमगढ़ से भाजपा सांसद 'निरहुआ' ने शनिवार की रात्रि जिला मुख्यालय पर संवाददाताओं से कहा, बचपन से ही बलिया के बागीपन को सुनता आया हूं। स्वतंत्रता आंदोलन में बलिया की ऐतिहासिक भूमिका रही है। असंख्य वीरों ने अपनी आहुति दी थी तथा देश को आजादी मिलने से पांच साल पहले ही बलिया को आजाद करा दिया था। उन्होंने कहा कि वह स्वतंत्रता आंदोलन में बलिया की भूमिका से प्रभावित हैं और 'बलिया की क्रांति' पर आधारित फिल्म बनाएंगे। साल 1942 में, भारत छोड़ो आंदोलन शुरू होने के कुछ दिनों बाद कई स्थानीय लोगों ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ विद्रोह कर दिया और साथी क्रांतिकारियों को छुड़ाने के लिए जिला जेल पर धावा बोल दिया था।

सिंधू ने विश्व चैम्पियनशिप से पूर्व पहले ओलंपिक पदक को याद किया

नई दिल्ली/भाषा। अपने करियर के सबसे मुश्किल दौर में से एक से गुजर रहीं स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने सोमवार से शुरू हो रही विश्व चैंपिनयशिप से पहले जीवन को बदलने वाले अपने पिछले सात साल को याद किया जिसमें रियो में पहला ओलंपिक पदक जीतना भी शामिल है। सिंधू ने 20 अगस्त 2016 को स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ महिला एकल फाइनल में हार के बाद रियो ओलंपिक का रजत पदक जीता था। इस ओलंपिक पदक के बाद सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में कई और पदक जीते।

सिंधू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर लिखा, सात साल पहले मैं ऐसी यात्रा पर निकली थी जो मेरा जीवन बदलने वाली थी। पिछले मुड़कर देखती हूं तो यह विश्वास करना मुश्किल है कि उस ऐतिहासिक दिन को सात लंबे वर्ष बीत चुके हैं जब मैंने रियो में अपना पहला ओलंपिक पदक जीता था। उन्होंने लिखा, यह रजत पदक, मेरे समर्पण, कड़ी मेहनत तथा मेरे कोच, टीम के साथियों और प्रशंसकों के समर्थन का चमकता हुआ प्रतीक है। तब सिर्फ 21 साल की सिंधू को पहला गेम जीतने के बावजूद मारिन के खिलाफ फाइनल में 21-19 12-21 15-21 से हार का सामना करना पड़ा था। सिंधू ने लिखा, इस यात्रा के सबसे उल्लेखनीय अध्यायों में से एक कोर्ट पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है, खासकर कैरोलिना के खिलाफ मुकाबला। फाइनल तक की यात्रा उस धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रमाण थी जो हम दोनों ने खेल में दिखाया था। उन्होंने कहा, तीन सेट (गेम) तक चला मैराथन फाइनल असाधारण था। यह कौशल, दृढ़ता और खेल भावना का प्रदर्शन था। हैदराबाद की 28 साल की सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक के अलावा दो रजत पदक (2017-2018) और एक स्वर्ण पदक (2019) भी जीता है।

जीवन में कोई मलाल नहीं क्योंकि एक रास्ता बंद होने पर भगवान दूसरा खोल देता हैः रानी रामपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान रानी रामपाल अब मैदान पर शायद दोबारा राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए नजर नहीं आएं लेकिन उन्हें 'कोई मलाल नहीं' है क्योंकि वह जो भी मौका मिले उसका पूरा फायदा उठाने में विश्वास रखती हैं। रानी की अगुआई में भारत ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था।

उन्हें 2020 में मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया जबकि इसी साल उन्हें देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री भी मिला। भारत की लड़कियों की अंडर-17 टीम को कोचिंग देने की तैयारी कर रही रानी ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, अब मुझे कोई मलाल नहीं है, मुझे पता है कि मैंने अपना काम कर दिया है और अब भी कर रही हूं। जीवन में अगर एक दरवाजा बंद हो जाए तो भगवान दूसरा खोल देता है। आप जीवन में उलझते नहीं हो। मैंने महसूस किया है कि जीवन में आपको नीचे खींचने के लिए ढेरों लोग हैं लेकिन आपको स्वयं को ऊपर उठाना होता है। उन्होंने कहा, हॉकी ने मुझे पहचान दी, हॉकी के कारण लोग मेरी बात सुनते हैं, मेरे से बात करते हैं। इसलिए मैं किसी भी भूमिका में हॉकी के लिए काम करना चाहती हूं, आप खेल सकते हैं, बच्चों का मार्गदर्शन कर सकते हैं, उनके सिखा सकते हैं। कोई भी मेरे से हॉकी के प्रति मेरे जुनून को नहीं छीन सकता। रानी का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने कई प्रतिकूल हालात से उबरकर हॉकी में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने कहा, सफर अच्छा लेकिन काफी संघर्षों से भरा रहा। इस सफर में काफी अच्छे लम्हे आए और मैंने काफी कुछ सीखा। यह सब कुछ कड़ी मेहनत करने और अपना सर्वश्रेष्ठ करने पर निर्भर करता है, बाकी सब कुछ भगवान पर छोड़ देना चाहिए।

सुविचार

सारी उम्र बस एक ही सबक याद रखना, दोस्ती और दुआ में बस नियत साफ़ रखना।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

काठ की हांडी

पाकिस्तान ने भारत की जेल में बंद अलगाववादी यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक को मुल्क के नवनियुक्त कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल-हक काकड़ की विशेष सलाहकार नियुक्त कर यह साबित कर दिया कि उसने अतीत से कोई सबक नहीं लिया है। 'कश्मीर राग' अलापते-अलापते पाक का बंटाधार हो गया, लेकिन फिर भी वह किसी न किसी बहाने अलगाववाद को हवा देने में जुटा है। मुशाल हुसैन को विशेष सलाहकार बनाकर पाक यह दिखाना चाहता है कि वह कश्मीरियों का बड़ा हिमायती है, लेकिन जिस पीओके पर उसने अवैध कब्जा कर रखा है, वहां हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। मुशाल हुसैन कहने को तो विशेष सलाहकार है, लेकिन सलाह के नाम पर उसके पास क्या है? यही कि आतंकवाद की आग कैसे भड़काई जाए? एक ओर तो पाक भारत को बातचीत की पेशकश करता है, दूसरी ओर अलगाववादियों को बड़े ओहदे देकर अपने दुष्ट इरादे भी जाहिर करता है। काठ की हांडी बहुत चढ़ चुकी, अब यह नहीं चढ़ेगी। अगर मुशाल हुसैन पाकिस्तान को सलाह देना ही चाहती है तो यह दे कि वह दहशतगर्दी के अड्डे बंद करे, जो खूंखार आतंकवादी पाल रखे हैं, उन्हें सख्त सजा दे, जो भारतीय कानून के मुजरिम हैं, उन्हें तुरंत सौंपे और शांति से रहना सीखे। इसके साथ ही यह सलाह भी दे कि हाल में जिन अल्पसंख्यक ईसाइयों पर हमले किए गए हैं, उनके आंसू पोंछे। मानवाधिकारों को लेकर भारत को उपदेश देने वाला पाकिस्तान यह क्यों नहीं देखता कि उसके यहां अल्पसंख्यकों को किस तरह बेरहमी से सताया जा रहा है? निस्संदेह हर धर्म, उसकी पवित्र किताबों और उसके प्रतीकों का सम्मान करना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति ग़लत मंशा से ऐसा कृत्य करता है, जिससे लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचे तो जायज तरीका यही है कि उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत जुटाए जाएं और उसे कानून के हवाले कर दिया जाए। फिर उसे जो भी सजा मिले, कानून से ही मिले। भीड़ द्वारा मारपीट, आगजनी, तोड़फोड़ की घटनाएं न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध हैं।

आश्चर्य की बात है कि पाकिस्तानी सरकार, फौज और आईएसआई को यह सब दिखाई नहीं देता। उन्हें इसकी कोई फिक्र नहीं है। अगर फिक्र है तो जम्मू-कश्मीर की! उस जम्मू-कश्मीर की, जहां भारतीय संविधान द्वारा सबको बराबर अधिकार मिल रहे हैं, जो आतंकवाद और अलगाववाद को पीछे छोड़कर अब शांति और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ता जा रहा है। आज पाकिस्तान की स्थिति क्या है? आसान शब्दों में कहें तो बम धमाके, गोलीबारी, नफरत, तानाशाही, भयंकर महंगाई, बाहर से दिखावा, लेकिन अंदर घोर नैतिक पतन, हर कहीं दनदनाते आतंकवादियों के झुंड और आईएमएफ के सामने हाथ फैलाए प्रधानमंत्री ... इस पर भी यह ख़ुशफ़हमी कि हम दुनिया के बेहतरीन लोग हैं, लिहाजा सबको हमसे शिक्षा लेनी चाहिए। निस्संदेह पाकिस्तान से भी शिक्षा ली जा सकती है, लेकिन सिर्फ़ इस बात की कि अपना देश कैसे नहीं चलाना चाहिए! आज वहां हालात जिस दिशा में जा रहे हैं, उससे बहुत संभव है कि यह पड़ोसी देश कुछ वर्षों बाद खंडित हो जाए। यूं तो पाक में फौज और आईएसआई का कड़ा नियंत्रण है। सरकार नाम मात्र की है। असल शासक सेना प्रमुख है, जो किसी भी तरह से तमाम सूबों को जोड़कर रखता है, लेकिन किसी को इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सैनिकों और हथियारों के बूते देश को हमेशा संगठित रखा जा सकता है। सोवियत संघ इसका बेहतरीन उदाहरण है, जो ताकतवर फौज और हथियारों का निर्माता होने के बावजूद कई टुकड़ों में बंट गया। आज पाक के हालात कमोबेश वैसे ही हैं। सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी थी। उसकी मुद्रा का भारी अवमूल्यन हो गया था। पाक का खजाना भी खाली है और खुले बाजार में उसका रुपया डॉलर के मुकाबले 300 का आंकड़ा पार कर चुका है। लोगों का पाकिस्तानी रुपए से विश्वास खत्म हो रहा है। वहीं, फौजी खर्च बढ़ता जा रहा है। आतंकवाद बेकाबू हो गया है। अल्पसंख्यकों पर जुल्म की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अगर ऐसे में अंदर से विद्रोह की आग धधक उठी तो उसे न जनरल आसिम मुनीर रोक पाएंगे, न अनवारुल-हक काकड़ और न ही कोई 'विशेष सलाहकार'!

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस के राज में हर गली-मुहल्ले में सरकार द्वारा पोषित गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं। राजधानी जयपुर में पार्क में खेल रहे मासूम बच्चों व उनके परिजनों पर हमले का दृश्य अत्यंत करुदायक है। गहलोत सरकार के कुशासन में कोई भी सुरक्षित नहीं है।

-अर्जुनराम मेघवाल

महिला विरोधी कांग्रेस के इन नेताओं के इतने शर्मनाक और नीचतापूर्ण बयानों को किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जा सकता। इन बेशर्म कांग्रेसियों ने बहन-बेटियों की अस्मिता को तो तार-तार किया ही है साथ में महिलाओं को लेकर कांग्रेस की संकीर्ण मानसिकता भी उजागर की है।

-अरुण सिंह

कांग्रेस सरकार का जन आधार कार्ड बना भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा जरिया,जिसमें फर्जी नामों में भालू, पांडा, गुलाब के फूल नाम से आईडी जनरेट करके सरकारी धन का जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। कांग्रेस सरकार की योजनाएं जनता को राहत नहीं, बल्कि आफत दे रही हैं।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

क्रोध में हार की झलक

बहुत समय पहले की बात है। आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के बीच सोलह दिन तक लगातार शास्त्रार्थ चला। शास्त्रार्थ की निर्णायक थीं मंडन मिश्र की धर्म पत्नी देवी भारती। हार-जीत का निर्णय होना बाक़ी था, इसी बीच देवी भारती को किसी आवश्यक कार्य से कुछ समय के लिये बाहर जाना पड़ गया। लेकिन जाने से पहले देवी भारती नें दोनों ही विद्वानों के गले में एक-एक फूल माला डालते हुए कहा, यें दोनो मालाएं मेरी अनुपस्थिति में आपके हार और जीत का फैसला करेंगी। यह कहकर देवी भारती वहाँ से चली गई। शास्त्रार्थ की प्रकिया आगे चलती रही। कुछ देर बाद देवी भारती अपना कार्य पूरा करके लौट आई। उन्होंने अपनी निर्णायक नजरों से शंकराचार्य और मंडन मिश्र को बारी- बारी से देखा और अपना निर्णय सुना दिया। उनके फैसले के अनुसार आदि शंकराचार्य विजयी घोषित किये गये और उनके पति मंडन मिश्र की पराजय हुई थी। सभी लोग ये देखकर हैरान हो गये कि बिना किसी आधार के इस विदुषी ने अपने पति को ही पराजित करार दे दिया। एक विद्वान नें देवी भारती से नम्रतापूर्वक जिज्ञासा की- हे ! देवी आप तो शास्त्रार्थ के मध्य ही चली गई थीं फिर वापस लौटते ही आपनें ऐसा फैसला कैसे दे दिया ?

सामयिक

अमित शाह : संसद में प्रखर वक्ता बनने के साथ बढ़ता सियासी कद

नीलू रंजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के निर्विवाद नेता हैं और उनकी लोकप्रियता के बल पर भाजपा के लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन लोकसभा में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के बाद अमित शाह को एक 'बड़े राजनेता' और प्रखर वक्ता के रूप में सामने आते हुए देखा गया। अभी तक अमित शाह को लोग भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनाने वाले सफल संगठनकर्ता और लोकसभा से लेकर विभिन्न राज्यों में भाजपा की जीत के लिए कुशल रणनीतिकार के रूप में जानते थे। शाह ने अविश्वास प्रस्ताव पर लगभग दो घंटे तक बोलते हुए जिस गंभीरता और संयम का परिचय दिया, वह बिल्कुल नया है।

अपने आक्रमक रुख के लिए प्रसिद्ध अमित शाह ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बिना किसी आरोप-प्रत्यारोप के विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया और मणिपुर की सच्चाई सामने रखी। यहां तक कि कांग्रेस के सदन के नेता अधीर रंजन चौधरी को भाजपा के कोटे से आधा घंटे तक समय देने का भी ऑफर कर दिया। विरोधियों से निपटने के दौरान कोई मुरव्वत नहीं रखने के लिए जाने जानेवाले अमित शाह का यह नया ही रूप था। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष के हमलों का जवाब देते हुए मणिपुर पर शाह के बयान की कई बार तारीफ की।

अमित शाह को संसद में एक प्रखर वक्ता के रूप में इससे पहले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के दौरान देखा गया था, लेकिन उस समय उनके रुख में आक्रमता ज्यादा थी। तब शाह को सिर्फ दो महीने गृहमंत्री के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में आए हुए थे। लेकिन अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान अमित शाह के शब्दों के चयन और हाव-भाव में पुरानी आक्रामता की जगह सौम्यता और गंभीरता थी। मणिपुर के हालात की जानकारी देते हुए शाह ने पुरानी हिंसा के आंकड़े भी दिए, लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया कि इसका उद्देश्य पूर्ववर्ती सरकारों को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि मणिपुर में पुराने नस्लीय विभाजन की स्थिति से सदन को अवगत कराना है। हिंसा के लिए भी शाह ने मैतई और कुकी, किसी भी समुदाय को दोषी नहीं ठहराया, बल्कि इसे परिस्थितिजन्य हिंसा बताया। उन्होंने कहा कि दोनों समुदाय के नेताओं के साथ वे खुद लगातार बैठक कर रहे हैं। अलग-अलग मुलाकातों के बजाय उनसे एक साथ आने और मिल-बैठकर समस्या के समाधान निकालने की संसद के भीतर से शाह की अपील भविष्य में मणिपुर में शांति का रास्ता बना सकती है।

घुसपैठियों के लिए कड़े बयान के लिए जाने जानेवाले अमित शाह ने म्यांमार से आने वाले कुकियों के लिए भी सम्मानजनक शब्द का प्रयोग किया और उन्हें 'कुकी भाई' कहकर संबोधित किया। उन्होंने बताया कि म्यांमार की विषम परिस्थिति के कारण उन्हें मणिपुर और मिजोरम में आना पड़ा है।

घुसपैठियों के लिए कड़े बयान के लिए जाने जानेवाले अमित शाह ने म्यांमार से आने वाले कुकियों के लिए भी सम्मानजनक शब्द का प्रयोग किया और उन्हें 'कुकी भाई' कहकर संबोधित किया। उन्होंने बताया कि म्यांमार की विषम परिस्थिति के कारण उन्हें मणिपुर और मिजोरम में आना पड़ा है। जबकि मैतई समुदाय के लिए सबसे बड़ा मुद्दा म्यांमार से आने वाले कुकी ही है। मैतई को डर है कि म्यांमार से कुकियों के बसने से वे मणिपुर में अल्पसंख्यक हो जाएंगे। अमित शाह ने मैतई की शंकाओं का समाधान का भरोसा भी दिया। उन्होंने बताया कि म्यांमार से आने वाले कुकियों के बायोमैट्रिक लेकर उन्हें वोटर लिस्ट और आधार डाटाबेस में निगेटिव लिस्ट में शामिल करने का काम तेजी से चल रहा है। कुकियों के 16 किलोमीटर के दायरे में आने-जाने की छूट देने वाले 1968 के समझौते को छेड़े बिना ही शाह ने सीमा पर बाड़ के सहारे आवाजाही को नियंत्रित और पारदर्शी बनाने की जरूरत बताई और कहा कि सरकार इस पर वर्ष 2021 से ही काम शुरू कर चुकी है और इसे तेजी से पूरा किया जाएगा। शाह ने इस बात का पूरा ध्यान रखा कि उनके वक्तव्य से किसी भी समुदाय की भावना को ठेस नहीं पहुंचे।

अविश्वास प्रस्ताव के अलावा दिल्ली की सेवाओं से संबंधित विधेयक के दौरान भी अमित शाह ने दिल्ली की ऐतिहासिक व मौलिक परिस्थिति को देखते हुए विधेयक लाने की मजबूरी को स्पष्ट किया। लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया कि विधेयक के पास होने के बाद दिल्ली में सेवाओं पर अधिकार को लेकर जो स्थिति वर्ष 1993 से 2015 के बीच में थी, उसमें रत्ती मात्र का भी परिवर्तन नहीं होगा। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में शाह ने एकजुट विपक्ष के हमलों का बिंदुवार जवाब भी दिया।

धार्मिक

पौराणिक काल से ही पूजे जाते रहे हैं नाग

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 21 अगस्त को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्मराजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए नाग पंचमी' त्योहार मनाया जाने लगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

चिंतन

भारत की आर्थिक छलांग के लिए यूपी महत्वपूर्ण क्यों?

आर.के. सिन्हा

आप उत्तर प्रदेश के किसी भी शहर में आज दिन या रात को जाएं तो आपको एक दशक पहले की तुलना में अभूतपूर्व अंतर दिखाई देगा। नोएडा से लेकर आगरा और कानपुर से लेकर बनारस तक, आपको हर जगह चमचमाते बाजार, मॉल और व्यवसायिक प्रतिष्ठान दिखाई देंगे। यूपी में किसी से भी बात करें, निश्चित रूप से वह अब यही कहता है कि यूपी आगे बढ़ रहा है और कानून-व्यवस्था बिल्कुल ठीक है। नए उत्तर प्रदेश में आपका स्वागत है, जो बड़ी संख्या में पर्यटकों और निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। यहां आर्थिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित की जा रही है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिल्कुल सही कहते हैं कि उनका राज्य बीमारु श्रेणी से बाहर निकलकर अब सक्षम राज्य बनने की ओर अग्रसर है। उनकी यह टिप्पणी नीति आयोग द्वारा जारी उस रिपोर्ट के बाद आयी, जिसमें कहा गया कि भारत में 2015-16 से 2019-21 के बीच 13.5करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी की रेखा से ऊपर उठकर बाहर निकले। गरीबों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट वाले राज्यों में यूपी शीर्ष पर है। यूपी में गरीबी में सर्वाधिक कमी वाले जिले महराजगंज (29.64%), गोंडा (29.55%),बलरामपुर (27.9%), कौशांबी (25.75%),लखीमपुर खीरी (25.33%), श्रावस्ती (24.42%), जौनपुर (26.65%), बस्ती (23.36%),ग़ाज़ीपुर (22.83%), कुशीनगर (22.28%) और चित्रकूट (21.40%) है। जो लोग यूपी को जानते हैं वे आपको बताएंगे कि इन जिलों की हालत पहले बहुत खराब थी। इसलिए यदि भगवान राम और कृष्ण की जन्मस्थली यूपी से दिल को छू लेने वाली ऐसी सुखद खबर आ रही है तो यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए एक शुभ संकेत है।

बीमारू (हिंदी में बीमार) शब्द का प्रयोग अक्सर बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को संदर्भित करने के लिए किया जाता रहा है। आमतौर पर इसका अर्थ यह होता है कि ये राज्य आर्थिक विकास, स्वास्थ्य,शिक्षा , कुपोषण , सड़क , बिजली , पानी समेत अन्य सभी सूचकांकों में पिछड़े हुए हैं। भारत को यदि 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है तो इसके लिए बडी आबादी वाले उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय को बढाना भी अति आवश्यक है। यह भी सत्य है कि नए परिसीमन के चलते उत्तर प्रदेश पूर्व के मुकाबले राजनीतिक रूप से आज अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

भारत के आर्थिक लक्ष्यों की प्राप्ति में बड़ी भूमिका के निर्वाहन में यूपी, समाज के विभिन्न स्तरों के साथ राजनीतिक नेतृत्व के जरिए योगदान दे सकता है। यदि उत्तर प्रदेश नेतृत्व करे तो इसमें कोई शक नहीं कि भारत एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति बन सकता है। यूपी को आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुसंधान एवं विकास, आईपी और एआई के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन, रक्षा उत्पादों के निर्माण और फार्मास्यूटिकल्स सरीखे उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने दावा किया कि 2015-2016 से 2019-2021 तक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में उत्तर प्रदेश में गरीबों की संख्या में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक से पता चला है कि इस अवधि के दौरान 13.5 करोड़ लोगों में से अकेले यूपी में 3.43 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले। यह एक चौंका देने वाली संख्या है। 36 राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों और 707 प्रशासनिक जिलों पर केंद्रित रिपोर्ट उत्तर प्रदेश में सबसे तेज गति से गरीबों की संख्या में कमी का इशारा करती है। गरीबी कम होने के मामले में बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्य यूपी के बाद ही आते हैं।

सरकार ने दावा किया है कि रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि राज्य भर के गांवों में गरीबों की संख्या तेजी से घटी है। इतना ही नहीं स्वास्थ्य,शिक्षा, जीवन की गुणवत्ता सरीखे मानकों पर भी बेहतरीन परिणाम दिखे हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट पर आगरा के उद्यमी और रोटरी क्लब के प्रमुख मनीष मित्तल कहते हैं कि पूरे उत्तर प्रदेश में उत्साहजनक माहौल है। राज्य सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। मेरा विश्वास करें, हमारा व्यवसाय अच्छा चल रहा है और हम आर्थिक विकास में एक लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार हैं। काम के इच्छुक लोगों के लिए काम की कोई कमी नहीं है। खैर, आज दुनिया भी यह मानने लगी है कि उत्तर प्रदेश अब गरीब और बीमारू राज्य नहीं है, बल्कि एक ऐसा राज्य है जहां पिछले छह वर्षों में 5.5 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। यह दुख की बात है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस, सपा और बसपा की सरकारें गरीबी तो दूर कर नहीं पाई, लेकिन खोखला नारा जरूर देकर गईं। सपा के नारे जातिवाद और अराजकता के चंगुल में फंसकर भ्रष्टाचार के प्रतीक बन गए जबकि बसपा शासन में यूपी विकास की दौड़ में अन्य राज्यों से काफी पीछे रह गया। उत्तर प्रदेश में पिछले छह वर्षों में जो विकास और जनकल्याण के कार्य दिखे हैं, वे पहले भी हो सकते थे। लेकिन , पिछली सरकारों में इच्छाशक्ति का अभाव स्पष्ट दिख रहा था। उन्होंने किसानों और व्यापारियों का भरपूर शोषण किया, युवाओं के साथ अन्याय भी किया और महिलाओं की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाला।

जैसा कि हम जानते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच सालों में 1 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य बनाया है। यह राज्य समेत यहां के निवासियों की क्षमताओं को बेहतर संभावनाओं में बदलने का एक सुअवसर है। भारत समेत दुनियाभर में गरीबी कम करने, जीवन स्तर में सुधार के लिए सबसे शक्तिशाली और टिकाऊ यदि कोई रास्ता है तो वो आर्थिक विकास ही है, और मिशन 1ट्रिलियन में यूपी को बदलने की क्षमता है।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

राजीव गांधी के शानदार काम ने उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं की पंक्ति में शामिल किया : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती पर रविवार को उन्हें याद किया और कहा कि वह ''सच्चे देशभक्त'' एवं भारत के ''महान सपूत'' थे जिन्होंने भारत को 21वीं सदी का भारत बनाने की दिशा में अमूल्य योगदान दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें डिजिटल भारत का वास्तुकार बताया और कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर उनके शानदार कामकाज ने उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं की पंक्ति में ला दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राजीव गांधी ऐसे नेता थे जिन्होंने लाखों भारतीयों में उम्मीद का संचार किया। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, '' प्रधानमंत्री के तौर पर शानदार कामकाज के बल पर उन्होंने दुनिया के शीर्ष नेताओं के बीच जगह बनाई। राजीव जी ने 21वीं सदी का भारत बनाने में विशेष भूमिका निभाई।'' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने पिता की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''पापा आपकी आंखों में भारत के लिए जो सपने थे, इन अनमोल यादों से छलकते हैं। आपके पदचिह्न मेरा रास्ता हैं– हर हिंदुस्तानी के संघर्ष और सपनों को समझ रहा हूं। भारत मां की आवाज सुन रहा हूं।'' खरगे के अलावा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने यहां राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में खरगे, सोनिया गांधी और अन्य नेताओं ने संसद के केन्द्रीय कक्ष में राजीव गांधी की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''जब हम सद्भावना दिवस मना रहे हैं, तो ऐसे में राजीव गांधी के उस विशाल योगदान को याद करना ठीक रहेगा, जिससे भारत 21वीं सदी में पहुंचा।'' उन्होंने कहा कि मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, शांति समझौते, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम और समावेशी शिक्षा पर जोर देने वाली नयी शिक्षा नीति जैसी पूर्व प्रधानमंत्री की अनगिनत पहल देश में परिवर्तनकारी बदलाव लेकर आईं। खरगे ने कहा, ''हम राजीव गांधी जी की जयंती पर उन्हें दिल से याद करते हैं।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री को डिजिटल भारत का वास्तुकार करार देते हुए कहा कि उनकी दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति तथा कम्प्यूटर कार्यक्रम ने भारत को दुनिया के अग्रणी देशों की पंक्ति में ला खड़ा किया और लाखों युवाओं को रोजगार मिला।

सावन मिलन

पटना में रविवार को सावन मिलन समारोह के दौरान भूमियार महिला समाज।

पुष्पांजलि

लेह में रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने पिता और पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी को उनकी 79वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

दुर्लभ 'टाइटलर लीफ वार्बलर' पक्षी पहली बार बिहार में देखा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना। बिहार में पहली बार दुर्लभ पक्षी 'टाइटलर्स लीफ वार्बलर' को देखा गया है। बिहार के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन्यजीव वार्डन पी.के. गुप्ता ने कहा कि तुलनात्मक रूप से लंबी और पतली चोंच वाला मध्यम आकार के 'लीफ वार्बलर' को हाल में भागलपुर जिले के 'बर्ड रिंगिंग' स्टेशन सुंदरवन में देखा गया। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की सूची में 'टाइटलर लीफ वार्बलर' एक संकटग्रस्त प्रजाति है। गुप्ता ने कहा, भागलपुर के सुंदरवन में पक्षी निगरानी गतिविधियों के दौरान, हमने हाल ही में 'फाइलोस्कोपिडे' परिवार के एक 'वार्बलर' को देखा। गुप्ता ने बताया, औसत समुद्र तल (एमएसएल) से 52 मीटर की ऊंचाई पर और बिहार में गंगा के मैदानी इलाकों में इस प्रजाति की उपस्थिति का पहला प्रामाणिक रिकॉर्ड है। इसलिए हम पक्षी की इस दुर्लभ प्रजाति कि यहां उपस्थित से बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यह पश्चिमी हिमालय, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में ऊंचाई पर प्रजनन करता है। सर्दियों में, यह दक्षिणी भारत, खासकर पश्चिमी घाट और नीलगिरी में प्रवास करता है। वन अधिकारी ने कहा कि इससे पहले, इस प्रजाति को कभी–कभी गुजरात के सौराष्ट्र और मोरबी क्षेत्र, पन्ना और मेलघाट बाघ अभयारण्यों और रंगनाथिट्टु पक्षी अभयारण्य (कर्नाटक) में देखा गया था। मुख्य वन्यजीव वार्डन ने कहा, 'टाइटलर्स लीफ वार्बलर' को आखिरी बार इटावा (7 अप्रैल, 1879 को) और गोरखपुर (18 फरवरी, 1910) में वापसी प्रवास के दौरान देखा गया था। उन्होंने बताया कि बिहार, पूरे देश में बर्ड रिंगिंग स्टेशन वाला चौथा राज्य बन गया है जहां पक्षियों के प्रवास, उनकी मृत्यु दर, उनके क्षेत्र तथा व्यवहार आदि के अध्ययन के लिए उनके पैरों में छल्ले लगाए जाते हैं।

हरियाणा के जोगपाल ने एक दशक में 5,600 से अधिक सांपों को बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़। हरियाणा के फतेहाबाद जिले के रहने वाले पवन जोगपाल को सांप ने एक–दो बार नहीं, बल्कि 10 बार डसा है, फिर भी सांपों को बचाने के उनके जुनून में कोई कमी नहीं आई है। भट्टू कलां गांव के रहने वाले जोगपाल (28) ने पीटीआई–भाषा को बताया कि वह लगभग एक दशक से सांपों को पकड़ रहे हैं, जो ग्रामीण इलाकों में लोगों के घरों या अन्य जगहों पर घुस जाते हैं। जोगपाल ने दावा किया कि उन्होंने 5,600 से अधिक सांपों को बचाया है और अब तक सांप ने उन्हें 10 बार डसा है। उन्होंने बताया, हाल ही में मैंने फतेहाबाद जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल के पास के एक खुले क्षेत्र में नाग के बच्चे को पकड़ा था। वहां मुख्यमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाले थे।

जोगपाल ने बताया कि हाल में आई बाढ़ की वजह से कई इलाकों में पानी भर जाने के कारण पेड़ों पर आश्रय लेने वाले कई सांपों को भी उन्होंने बचाया। उन्होंने बताया कि पकड़े गये सभी सांपों को जंगलों में छोड़ दिया जाता है। जोगपाल ने कहा, मैं 10 साल से भी अधिक समय से सांपों को बचा रहा हूं। उनमें से ज्यादातर ऐसे सांप हैं जो गांवों में लोगों के घरों और बगीचों में घुस जाते हैं। यह पूछे जाने पर कि सांपों को बचाने की प्रेरणा उन्हें कहां से मिली, उन्होंने कहा कि जब वह करीब 17 साल के थे, तब गांव में उनके घर में एक सांप घुस गया था। उन्होंने बताया कि जब पड़ोसी और वहां पहुंचे अन्य लोग सांप को मारने की कोशिश कर रहे थे, तब वह लोगों से सांप को नहीं मारने के लिए समझा–बुझा रहे थे।

जोगपाल ने बताया, मैंने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन इसी बीच किसी ने सांप पर हमला कर दिया और उसे मार डाला। उस घटना ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी। बाद में, मैंने डिस्कवरी चैनल देखना शुरू किया। सबसे पहले, मैंने छोटे सांपों को बचाना शुरू किया। मैंने इसके बारे में कई किताबें पढ़ीं और सांपों के बारे में जानकारी एकत्र की।' उन्होंने कहा, अब, मैं सांपों को आसानी से पकड़ सकता हूं। अब तक, मैंने 5,600 से अधिक सांपों को बचाया है। मुझे 10 बार सांप ने काटा है, जिसमें एक नाग भी शामिल है। नाग के डसने की वजह से मुझे दो दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

उन्होंने बताया कि वह घायल अवस्था में मिलने वाले हर सरीसृप और पक्षियों को बचाते हैं। जोगपाल ने बताया, लोग मुझे फोन करते हैं और मैं अपनी टीम के साथ वहां पहुंच जाता हूं। हम सांपों को पकड़ते हैं और उन्हें जंगलों में छोड़ देते हैं। जोगपाल ने कहा कि उनकी टीम में तीन और लोग हैं जो उनके लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा, हम अपने साथ विशेष दस्ताने, लाठी, जूते, हुक और अन्य सुरक्षा सामग्री रखते हैं। उन्होंने बताया कि फतेहाबाद जिला प्रशासन ने उन्हें और उनकी टीम की समाज सेवा की सराहना की है और उन्हें सम्मानित भी किया है। जोगपाल ने कहा, शुरुआत में, जब मैंने सांपों को बचाना शुरू किया और इसे पूर्णकालिक काम के रूप में करना शुरू किया, तब मेरा परिवार मुझे ऐसा करने से मना करता था। लेकिन अब उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं है।

जोगपाल ने बताया कि वह सांपों के बारे में लोगों को जागरूक करने की भी कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र में, लोग अब सांपों को नहीं मारते हैं। अगर उन्हें सांप दिखता है, तो वे मुझे बुलाते हैं और हम उसे बचा लेते हैं। मैं लोगों से कहा करता हूं कि सांप केवल आत्मरक्षा में हमला करते हैं, जब उन्हें लगता है कि उनकी जान खतरे में है।

'खतरों के खिलाड़ी' से टेलीविजन की दुनिया का गुर सीखा : डेजी शाह

मुंबई/एजेन्सी

रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 13 में प्रतिभागी 'डेजी शाह' को लगता है कि वह इस शो से काफी कुछ सीख गई हैं। उन्होंने कहा कि 'खतरों के खिलाड़ी' करने के बाद वह यह सीख चुकी हैं कि टेलीविजन पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म 'जय हो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अभिनेत्री 'डेजी शाह' रियलिटी शो करने वाली बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वह वर्तमान में 'फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13' में प्रतिभागी हैं। अभिनेत्री को बुधवार को शिव ठाकरे और साउंडस मौफाकिर के साथ गेमिंग चैलेंज में भाग लेते देखा गया। अभिनेत्री ने शो 'खतरों के खिलाड़ी' में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो के लिए मुझे सभी से बहुत प्यार मिल रहा है। मैंने इस तरह के प्यार की उम्मीद नहीं की थी। इस शो को करने का मकसद बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ना था।''

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था कि टीवी की दुनिया कैसे चलती है। अब मैंने सीख लिया है कि टेलीविजन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने इस शो के साथ बहुत अच्छी यादें और दोस्त बनाए हैं। शो में अपने विभिन्न स्टंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, स्टंट शुरू करने से ठीक पहले एक तितली जैसा एहसास होता है लेकिन फिर आपको रोहित सर की आवाज सुनाई देती है कि आप यह कर सकते हैं। यह आपको स्टंट करने के लिए प्रेरणा देता है।

'गदर-2' में सनी देओल ने शानदार काम किया : हेमा मालिनी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री हेमा मालिनी को फिल्म गदर 2 बेहद पसंद आयी है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। हेमा मालिनी को भी गदर 2 बेहद पसंद आयी है। हेमा मालिनी ने कहा कि जैसी उम्मीद थी, फिल्म गदर 2 बिल्कुल वैसी ही थी। अनिल शर्मा ने काफी अच्छा काम किया है। फिल्म की सभी स्टारकास्ट ने अपना बेस्ट दिया है।ऐसा लग रहा था कि 70 और 80 का दौर लौट आया है। अनिल शर्मा जी इस फिल्म के जरिए पुराने दौर को फिर से लेकर आए हैं। हेमा मालिनी ने कहा, सनी ने सुपर्ब काम किया है। अनिल जी के बेटे उत्कर्ष ने भी अच्छा काम किया है। जो नई लड़की है है, वो भी बहुत अच्छी लगी। यह फिल्म देख कर राष्ट्र के प्रति भाव जग गया। मुस्लिमों के प्रति जो भाईचारा होना चाहिए फिल्म में वो भी दिखाया गया।

फिल्म 'ओह माय गॉड-2' 100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ की कमाई कर ली है।

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म 'ओह माय गॉड' के सीक्वल 'ओह माय गॉड 2' को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म में अक्षय के साथ पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम भी मुख्य किरदार में हैं। ओह माय गॉड 2 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुयी है।

फिल्म ओह माय गॉड 2 ने अपने पहले सप्ताह में 85 करोड़ की कमाई की थी। इसके बाद फिल्म ने दूसरे हफ्ते के पहले दिन शुक्रवार को 06 करोड़ और शनिवार को 09 करोड़ कमाए हैं। जिसके बाद फिल्म 100 करोड़ी क्लब में शामिल हो गई है। ओह माय गॉड 2 का निर्देशन अमित राय ने किया है।

इस फिल्म के निर्माता अश्विन वर्दे, वायकॉम 18 और जियो स्टूडियो हैं।

'सुहागन' में मुख्य किरदार निभाएंगी साक्षी शर्मा

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस साक्षी शर्मा रोमांटिक ड्रामा 'सुहागन' में अंशुला धवन की जगह पायल के रूप में एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 'सुहागन' दो बहनों बिंदिया और पायल की कहानी है। शो ने 10 साल का लीप लिया और उनके प्यार और दुश्मनी के सफर को आगे बढ़ाया। शो में अपनी एंट्री के बारे में बात करते हुए साक्षी ने कहा, कलर्स के लोकप्रिय शो 'सुहागन' में एक बार फिर से काम करने का मौका पाकर मैं बेहद उत्साहित महसूस कर रही हूं। इस शो ने दर्शकों से अपार प्यार और समर्थन अर्जित किया है और मैं पायल की भूमिका निभाकर बेहद खुश हूं। यह पहली बार है जब मैं पूर्ण रूप से मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आऊंगी, जो अपने प्यार कृष्णा को पाने के लिए बहन बिंदिया से नफरत करती है। उन्होंने कहा, पायल का किरदार उतार–चढ़ाव और चुनौतियों से भरा है और यही बात मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे पायल के रूप में पसंद करेंगे और शो को समर्थन देंगे। अपनी मनोरंजक कहानी के साथ, 'सुहागन' में बिंदिया की कृष्णा के साथ शादी हो जाती है, जो उसकी बहन का प्यार है। फिलहाल कहानी में, भारी बारिश के बीच कृष्णा और बिंदिया की कार खराब हो जाती है और वे वापस जाकर बिंदिया के घर पर रुकने का फैसला करते हैं। जैसे ही दोनों के बीच रोमांस होने लगता है, पायल अप्रत्याशित रूप से एंट्री करती है और बीमार होने का नाटक करती है। अगले दिन, पायल कार में कृष्णा के बगल वाली सीट पर बैठती है। यह देख बिंदिया परेशान हो जाती है और पायल को चेतावनी देती हुई कहती है कि यह सीट उसकी है। 'सुहागन' कलर्स पर प्रसारित होता है। साक्षी ने 'गुड़ से मीठा इश्क', 'इश्क में मरजावां' और 'प्यार तूने क्या किया' जैसे शो में अभिनय किया है।

उदयपुर में होगी परिणीत-राघव चड्ढा की शादी

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी (––झ) नेता राघव चड्ढा की मई में सगाई हुई थी। अब उनकी शादी को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की मैरिज डेट सामने आ गई है।

दोनों 25 सितंबर को शादी के बंधन में बंधने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि अभी तक वेडिंग डेट को लेकर दोनों की तरफ से कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार शादी के करीब एक सप्ताह पहले से सभी रस्में शुरू हो जाएंगी। शादी भव्य तरीके से होगी। शादी में दोनों के परिवार वालों और खास दोस्तों के साथ बॉलीवुड इंडस्ट्री से लेकर राजनीति जगत तक के लोग शामिल हो सकते हैं। वे राजस्थान में शादी कर सकते हैं, जो इन दिनों सेलेब्रिटीज की शादी का हॉट डेस्टिनेशन बना हुआ है।

दोनों ने कुछ समय पहले ही उदयपुर में पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर से मुलाकात कर अच्छी जगहों और होटलों के बारे में जानकारी ली थी। उनका रिसेप्शन गुड़गांव में होगा। उल्लेखनीय है विक्की कौशल और कैटरीना कैफ ने करीब दो साल पहले राजस्थान के सवाई माधोपुर और सिद्धार्थ मल्होत्रा व कियारा आडवाणी ने इसी साल जैसलमेर में शादी की थी।

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' ने वर्ल्डवाइड 500 करोड़ की कमाई की

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय सिनेमा के महानायक रजनीकांत की फिल्म जेलर ने वर्ल्डवाइड 500 करोड़ की कमाई कर ली है। रजनीकांत की फिल्म जेलर 10 अगस्त को प्रदर्शित हुयी है। जेलर बॉक्स ऑफिस पर कमाल का बिजनेस कर रही है। रिलीज के बाद से ही इस फिल्म का देश के साथ विदेशों में भी डंका बज रहा है। जेलर वर्ल्डवाइड 500 करोड़ की कमाई कर चुकी है। फिल्म जेलर का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी अहम किरदार में हैं। इस फिल्म का सॉन्ग 'कावाला' फिल्म की रिलीज से पहले ही पॉपुलर हो गया था। 'जेलर' में रजनीकांत और तमन्ना भाटिया के अलावा राम्या कृष्णन, शिवा राजकुमार, विनायकन, जैकी श्रॉफ और मोहनलाल भी मुख्य किरदार में नजर आ रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | सोमवार | 21-08-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल आरआर नगर द्वारा 'एक सलामी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम' कार्यक्रम का आयोजन आज तेरापंथ भवन में किया गया। मंडल की अध्यक्षा सुमन पटावरी ने नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला का प्रारंभ करते हुए स्वागत वक्तव्य दिया।

मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर सदस्यों ने रविवार को गुरुकुल विद्यापीठ, केंगेरी में निवासित 87 निराश्रितों को हनुमानमल संजय बैद परिवार के सौजन्य से नाश्ता करवाया। परिषद मंत्री धर्मेश नाहर, सेवा कार्यप्रभारी हितेश बोथरा, मंत्री धर्मेश नाहर, कार्यसमिति सदस्य नरेश बांठिया, पंकज बैद, प्रभारी हितेश बोथरा ने अन्नदान में सेवा प्रदान की।

बुद्धि दिमाग में, हिम्मत हृदय में, लज्जा आंख में और तंदुरुस्ती पेट में होनी चाहिए : साध्वी संस्कारनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी ने कहा कि बुद्धि दिमाग में, हिम्मत हृदय में, लज्जा आंख में, तंदुरुस्ती पेट में रहती है लेकिन जब दिमाग में क्रोध, हृदय में भय, आंख में विकार एवं पेट में रोग का प्रवेश होता है तब बुद्धि आदि चारों तत्व भाग जाते है।

महाभारत अहंकार व अधिकार के युद्ध की कथा है तो रामायण कर्तव्य एवं बलिदान का काव्य है। महाभारत के पांच अक्षर जीवन के साफल्य का संकेत देते हैं। म यानी मन में हो शुभ विचारों का स्पंदन, हा यानी हाथों में हो दान का स्पर्शन, भा यानि भाषा में हो मधुरता का गुंजन, र यानी रक्त में हो समर्पण का संचालन, त यानी तन में हो साहस का सर्जन तो जीवन बन जाता है गुणों का उपवन। रामायण पिता की आज्ञा का पालन, भाई भाई का प्रेम, पत्नी का पतिव्रता व्रत-स्वामी भक्ति, नियम पालन में अटलता को उजागर करती है। इन आदर्शों को जीवन में अपनाया जाए तो परिवार सदा प्रेम व प्रसन्नता से महकता रहता है।

आरआर नगर तेरापंथ कन्या मंडल ने स्वतंत्रता सेनानियों को किया सलाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल आरआर नगर द्वारा 'एक सलामी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम' कार्यक्रम का आयोजन आज तेरापंथ भवन में किया गया। मंडल की अध्यक्षा सुमन पटावरी ने नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला का प्रारंभ करते हुए स्वागत वक्तव्य दिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ कन्या मंडल सह-प्रभारी निशा छाजेड़ ने मधुर देशभक्ति गीत के साथ मंगलाचरण के रूप में किया। सर्वप्रथम प्रस्तुति मे रानी लक्ष्मीबाई की संयोजिका आर्य संचेती ने, चंद्रशेखर आजाद की दिया बाफना एवं कित्तूर रानी चेन्नम्मा की भूमिका बोथरा ने रोमांचकारी नाट्य प्रस्तुति दी। भारत के वीर क्रांतिकारी के बारे में अपने शब्दों में विनीता कुंडलिया, ऋषिका जैन, दृष्टि नोलखा, छवि नोलखा, रीत महेर, हिमांशी भंसाली ने प्रस्तुति दी। कितना समझते हैं हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को विषय पर परिसंवाद की शायरी के रूप में सुंदर प्रस्तुति दी। रिद्धि बांठिया, कोमल भंडारी, हंसिका बैद, स्नेहा छाजेड़, जूही कोठारी, चेतना संचेती, मनीषा कोठारी, तनीषा बोथरा भी कार्यशाला में उपस्थित रहे। सभा के अध्यक्ष छत्रसिंह सेठिया, युवक परिषद उपाध्यक्ष विक्रम मेहर, मंत्री धर्मेश नाहर, महिला मंडल पूर्व अध्यक्ष कंचन छाजेड़, लता बाफना, उपाध्यक्ष मधु कटारिया, मंत्री पदमा मेहर, सहमंत्री वंदना भंसाली एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन प्रभारी पूनम दुगड़ ने किया। कार्यक्रम की संयोजिक भूमिका बोथरा, कन्या मंडल सहसंयोजिका जूही कोठारी की टीम ने व्यवस्था संभाली।

नमना सीखो, हर परिस्थितियों को सहना सीखो : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि 'सहना सीखो, हर परिस्थितियों को सहना सीखो। हालातों को सहना सीखो। कड़वी बातों को सहना सीखो, वो कड़वी बात कोई भी कह रहा हो, बड़े कह रहे हो। कई बार दुश्मन भी कडवी सहनी पड़ती है या गुरु की कडवी बात सहनी पडती है। अगर दुश्मन चालाक होगा तो दुश्मन से भी सीखने को मिलता है। दुश्मन समझदार हो, होशियार हो तो दुश्मन से भी सीखने को मिलता है। लेकिन दोस्त अगर बेवकूफ हो तो दोस्त ही बेड़ा गर्व करवा देता है। दुर्योधन खुशनसीब था कि उसके नसीब में दोस्त कर्ण था। जीवन में आगे बढ़ना है तो नमना सीखना चाहिए और अच्छी संगत करना चाहिए। क्योंकि जीवन में संगत का बड़ा असर होता है। अच्छी संगत से अच्छे परिणाम आते है और जीवन में हर पल सुधार आता है।

हृदय से होंठ तक आए उससे पहले भगवान तक पहुँचती है प्रार्थना : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ मामुलपेट के तत्वावधान में राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि प्रार्थना ब्रह्माण्ड की सबसे महानतम शक्ति है। यह पराशक्ति से हमारा सम्बन्ध जोड़ती है, हृदय से होंठ तक आए उससे पहले ईश्वर तक पहुँच जाती है। प्रार्थना हमारे अहम को मिटाती है, अर्हम को जगाती है। जब हम प्रार्थना करते हैं तो मन के कलुषित विचार दूरकर हमें पवित्र बना देती है। इससे हमारी योग्यता और क्षमता बढ़ती है। प्रार्थना से हमारा तन-मन स्वस्थ, प्रफुल्लित और तरोताज़ा होता है। प्रार्थना हमें संतोष और आत्म-विश्वास से जीना सिखाती है। मेघराज भंसाली ने बताया कि सोमवार को सुबह कालसर्प योग पितृदोष ग्रहदोष निवारण हेतु सामूहिक महापूजन रखा गया है। मुख्य पीठीका का लाभ नेमीचंद पारसमल वेदमुथा परिवार ने लिया है। एकासणा का लाभ पारुबाई देशमल सालेचा ने लिया है। 25 अगस्त को सामूहिक श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन होगा। 23 अगस्त से नव दिवसीय नवकार महामंत्र जाप 68 तीर्थ भावयात्रा एवं एकासणा आराधना होगी।

हनुमंतनगर स्थानक भवन में आयोजित हुई जैन गुरुकुल पाठशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंत नगर के तत्वावधान में एवं वर्धमान स्थानकवासी जैन युवक मंडल के संयोजन में हनुमंतनगर जैन भवन में जैन गुरुकुल पाठशाला का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। अध्यापन व्यवस्था में संजयकुमार कचोलिया, माला बोहरा, श्वेता धारीवाल, संगीता गोटावत ने अपनी सेवाएं प्रदान की। हनुमंतनगर संघ के कोषाध्यक्ष ताराचंद भंडारी एवं सुरेशकुमार धोका ने पधार कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। हनुमंत नगर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष मनोज सोलंकी, किशोर बाफना, लतेश लोढ़ा,अनिकेत कांकरिया, महावीर गन्ना, जतिन बाफना, ध्रुव साखला, नवीन धोका, यश सोलंकी आदि युवाओं ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार को अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के अध्यक्ष कैलाश मित्तल की अध्यक्षता में संगठन की एक बैठक जयनगर के एक होटल में संपन्न हुई जिसमें कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विपिन राम अग्रवाल एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल मौजूद रहे। सर्वसम्मति से विपिनराम अग्रवाल को मुख्य संरक्षक (कर्नाटक) बनाया गया और नरेश गुप्ता, अनिल अग्रवाल को कार्यकारी अध्यक्ष, विमल सरावगी एवं सतीश गोयल को उपाध्यक्ष, विजय सराफ को सचिव, नीरज बंसल को कोषाध्यक्ष व बृजेश अग्रवाल को आयोजन सचिव बनाया गया। अंकित मोदी को युवा संघ का अध्यक्ष बनाया गया। बैठक में प्रकाश मित्तल, अशोक गर्ग, राजेश अग्रवाल, विशाल चौधरी, सुनील जैन, नरेश अग्रवाल, रंजन भावसिंहका मौजूद थे। अध्यक्ष कैलाश मित्तल ने सभी सदस्यों को अलग-अलग कार्यभार सौंपा जिसे सभी सदस्यों ने सहर्ष स्वीकार किया तथा सभी ने संगठन को ओर मजबूती के साथ आगे बढाने पर आश्वासन दिया।

'एक सलामी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम' कार्यक्रम तेरापंथ भवन यशवंतपुर में आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ कन्यामंडल,यशवंतपुर के अंतर्गत रविवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'एक सलामी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम' भाषण, गीत, कविता, नृत्य आदि की प्रस्तुति तेरापंथ भवन यशवंतपुर में दी गई। कन्यामंडल की कन्याओं ने मंगलाचरण का गान किया। अध्यक्षा मीना दक ने स्वागत किया। इस कार्यशाला में कन्या मंडल की प्रभारी प्रियंका डूंगरवाल ने कार्यशाला के महत्व की जानकारी दी। कार्यशाला में कन्याओं,ज्ञानार्थियों,महिलाओ युवकों ने सुंदर प्रस्तुतिया दी। कार्यक्रम में भामाशाह, लाला लाजपत राय, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, रानी लक्ष्मीबाई और हमारे कर्नाटक क्षेत्र की ओन्नक्के ओब्बवा आदि वीर सेनानियों की वीर गाथा और पुलवामा अटैक की घटना के बारे में समाज के बच्चों टीना, मोनिका, सपना ,मीना भटेवरा,मुस्कान, विराट, सुहानी, जान्हवी, अंतरा साची, प्रांजल, प्राची, निधि ने बहुत अच्छी प्रस्तुति दी। सभी प्रतिभागियों का मंत्री लाडली मुथा ने परिचय दिया व उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा यशवंतपुर के अध्यक्ष गौतम मुथा, प्रकाश बाबेल, तेयुप अध्यक्ष जिगर मारु ने भी आजादी की कीमत बताते हुए अपने भावां को प्रकट किया ।

सुनील मेहर ने गीत से भाव रखे। सरगम के फाइनलिस्ट नवीन व हर्षिल बरडिया का सम्मान किया गया। कन्या मंडल सदस्या हर्षा गन्ना की 9दिनों की तपस्या की अनुमोदना कर प्रायोजक कन्हैयालाल गन्ना परिवार का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन कन्या मंडल की संयोजिका नेहा पोखरना और सह संयोजिका पलक भंसाली ने किया। आभार पूर्व संयोजिका भाविका सिसोदिया ने किया।

'नकारात्मक सोच के वायरस से बचाव' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित तेरापंथ भवन में मुनिश्री दीपकुमार जी के सान्निध्य में 'कैसे बचे नकारात्मक सोच के वायरस से' विषयक कार्यशाला का आयोजन तेरापंथी सभा विजयनगर द्वारा किया गया। मुनिश्री दीपकुमार जी ने कहा कि कंप्यूटर के यंत्र में कोई वायरस अगर प्रवेश कर जाता है, तब उसकी गतिविधि अस्त-व्यस्त या ठप्प हो जाती है। हमारा मस्तिष्क सुपर कंप्यूटर है यदि उसे पर नकारात्मक सोच के वायरस का प्रभाव बढ़ जाता है तो उसकी सारी शक्तियां कुंठित व धूमिल हो जाती है। मानव की प्रगति का मुख्य आधार मस्तिष्क है।

मस्तिष्क को शक्तिशाली बनाने के लिए आज नाना प्रकार के रसायनों व औषधीय का सेवन होता है, पर जब तक नकारात्मक विचारों पर विजय हासिल करने का प्रयास नहीं होगा तब तक कोई भी रसायन या औषधि कारगर नहीं हो सकती। नकारात्मक चिंतन प्रगति का अवरोधक है वर्तमान परिवेश में मस्तिष्क पर नकारात्मक सोच के वायरस का प्रभाव अधिक दिखाई दे रहा है। सकारात्मक सोच तो मानो कल्पवृक्ष है, जैसा हम सोचेंगे वैसे ही हम बनेंगे। सकारात्मक सोच द्वारा

सत्यम शिवम सुंदरम का मनभावन संगीत प्रस्फुटित होता है, जो मन को शांत बनाकर शक्ति को लक्ष्य पर केंद्रित करता है। मुनिश्री ने आगे कहा कि सोच सकारात्मक बनाने के लिए जीवन की गणित को बदलनी होगी, अब तक कांटों को गिनते आए हैं, अब फूलों की गणना करे। जीवन भर कांटे ही देखते रहे तो फूल भी कांटे जैसे लगेंगे। मुनिश्री काव्यकुमारजी ने कहा कि जिस व्यक्ति का दृष्टिकोण सकारात्मक होता है वह दुख में भी सुखमय रहने का अभ्यास करता है। जिसका दृष्टिकोण नकारात्मक होता है वह सुख में भी दुख को निकाल लेता है।

मीराबाई ने कृष्ण को ही सब कुछ माना, उन्हीं में समा गई : संत रामप्रकाश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सीरवी समाज बलेपेट वडेर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित संत रामप्रकाशजी महाराज ने रविवार को मीराबाई के कथा का श्रवण करते हुए कहा कि मीराबाई के बालमन में कृष्ण की ऐसी छवि बसी थी कि किशोरावस्था से लेकर मृत्यु तक उन्होंने कृष्ण को ही अपना सब कुछ मान लिया। राव दूदा के पुत्र रतनसिंह की इकलौती पुत्री मीराबाई का जन्म सोलहवीं शताब्दी में हुआ था। मीरा बाई का लालन-पालन मेड़ता सिटी में ही हुआ। बचपन से ही वह कृष्ण-भक्ति में रम गई थीं। मीरा बाई के बचपन के समय की एक कहावत के अनुसार एक दिन उनके महल के बाहर से एक बारात निकल रही थी। मीरा बाई भी परिवार के साथ झरोखे से बारात देख रही थीं। बारात को देख मीरा ने अपनी माता से पूछा कि मेरा दूल्हा कौन है? इस पर उनकी माता ने कृष्ण की मूर्ति की ओर इशारा करके कह दिया कि यही तुम्हारे दूल्हा हैं। तब से मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन हो गई और अंत में उन्हीं में समा कर अमर हो गई। संत रामप्रकाश ने मीराबाई के प्रसिद्धभजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं व माताआं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मनोहरसिंह राजपुरोहित का समाज की ओर से सममान किया गया। इस मौके पर वडेर के अध्यक्ष हरीराम गहलोत, सचिव अमराराम चोयल, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा सहित समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

'क्षमा को धारण करना मतलब क्षमापना'

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी की निश्रा में प्रीतिसुधाश्रीजी ने पर्युषण महापर्व की आराधना के आठवें दिन बारसा सूत्र का वाचन किया गया।

गुरुवर्या ने क्षमापना का मतलब बताया कि क्ष यानी क्षमापना को धारण करना, तो युद्ध विराम हो जाए। मा यानी मान को छोड़कर महान बनना। प यानी पवित्रता को प्राप्त करना और परमात्मा के समीप पहुंचना, परमात्मा को नहीं छोड़ना। ना यानी नाशवंत को छोड़ना, जो नाश होने वाला है उसका संग छोड़ना और उसको पकड़ के रखा तब तक हम नाथ नहीं बन सकते। रेशम की गांठ जैसी वैर की गांठ नहीं लगानी है।

गुरुवर्याश्री ने बताया कि हमने अरिहंत प्रभु एवं उनकी वाणी पर श्रद्धा नहीं की हो, सुदेव, सुगुरु, सुधर्म पर श्रद्धा नहीं की हो, सम्यकत्त्व में दूषण लगा हो। अज्ञान को अच्छा माना हो, 6 काय के जीवों की विराधना की हो, जमीन जायदाद के लिए झूठ बोला हो, धन संपत्ति सजीव निर्जीव वस्तु बिना मालिक को पूछ लिए हो, पैसे लेकर वापस नहीं दिए हो, नौकर से ज्यादा काम करवाया हो, कोर्ट कचहरी में झूठी गवाही दी हो, निष्प्रयोजन से अनर्थ सेवन किया हो, विश्वासघात किया हो, बच्चों को व्यवस्थित नहीं पढ़ाया हो, व्रत भंग किया हो, वस्तु का संग्रह राग द्वेष से किया हो, जीव के साथ वैर विरोध किया हो, सात व्यसन का सेवन किया हो, माता पिता की आज्ञा का विरोध किया हो, मोबाइल टीवी में अश्लील दृश्य देखे हो उन सबके लिए मिच्छामी दुक्कड़म देना है।

जोशी ने आठ जिलाध्यक्ष बदले

जयपुर। राजस्थान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अपने संगठन में बदलाव अपने तौर तरीके से करना शुरू कर दिए हैं। उन्होंने शनिवार देर रात आठ जिलों के जिलाध्यक्ष बदल दिए, जिसमें जयपुर ग्रामीण के दो जिलाध्यक्ष भी शामिल हैं। इसमें जयपुर उत्तर में श्याम शर्मा और दक्षिण में राजेश गुर्जर को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने चूरू जिले में हरलाल सहारण, सीकर जिले में पवन मोदी, धौलपुर जिले में सत्येंद्र पराशर, बांसवाड़ा में लाभचंद पटेल, नागौर शहर में रामनिवास सांखला, कोटा देहात में प्रेम गोचर को जिला अध्यक्ष बनाया है।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com